● वर्ष : 17 ● अंक : 173 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 13 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

सिलीगुड़ी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से किया बदलाव का आह्वान

पश्चिम बंगाल चुनाव : तृणमूल का जाना तय, बंगाल में बदलाव की लहर : प्रधानमंत्री

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ खर्च किए, विकास पर नहीं दिया ध्यान

एजेंसी। सिलीगुड़ी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर बंगाल के प्रमुख शहर सिलीगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोला और राज्य में बदलाव का आह्वान किया। रविवार दोपहर कावाखाली मैदान में आयोजित इस रैली में भारी भीड़ जुटी। सभा स्थल पर पहुंचते ही प्रधानमंत्री ने लोगों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ उन्होंने बहुत कम जगहों पर देखी है। उन्होंने दावा किया कि यह जनसमर्थन स्पष्ट संकेत है कि पश्चिम बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन तय है। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का शासन अब समाप्त होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में राज्य ने केवल भ्रष्टाचार और ठहराव देखा है। खासकर युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य का भविष्य उनके हाथ में है और उन्हें बदलाव के लिए आगे आना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते

हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल ने विकास के बजाय "सिंडिकेट और कटमनी संस्कृति" को बढ़ावा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार गहराई तक फैला हुआ है और आम जनता इससे परेशान है। प्रधानमंत्री ने उत्तर बंगाल को भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ बताते हुए क्षेत्र के विकास और रोजगार के लिए कई वादे किए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर यहां की सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से संबंध रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को नुकसान पहुंचाने और उत्तर-पूर्व भारत को देश से अलग करने की साजिश रची थी और तृणमूल ने उन्हें समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी रक्षा व विकास भाजपा की प्राथमिकता है। उन्होंने तृणमूल सरकार की नीति को "उपेक्षा और डर" की राजनीति करार देते हुए कहा कि अब जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी। आगामी चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई के बाद नई सरकार बनेगी और राज्य में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, "अब डर नहीं, भरोसा चाहिए – यही भाजपा का मंत्र है।" साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाब देना होगा। कड़ी धूप के बावजूद रैली में भारी भीड़ उमड़ी, जिसे भाजपा अपनी जीत का संकेत मान रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को पूर्व बर्धमान, मुर्शिदाबाद और दक्षिण दिनाजपुर में भी जनसभाएं की थीं।

पीएम मोदी तमिलनाडु भाजपा कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद, 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' कार्यक्रम के जरिए सीधा जुड़ाव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से तमिलनाडु के भाजपा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे आयोजित होगा, जिसमें कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करने और राज्य के विकास से जुड़े सुझाव साझा करने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि वे 13 अप्रैल की शाम को पार्टी के मेहनती कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे। उन्होंने तमिलनाडु भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य में डीएमके सरकार के कामकाज को उजागर किया है और एनडीए के विकास दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया है। इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक कार्यकर्ता नमो ऐप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पार्टी ने अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से इसमें भाग लेने की अपील की है, ताकि जमीनी स्तर पर विचार-विमर्श को बढ़ावा मिल सके।

रोड शो की तस्वीरें भी कीं साझा : इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित अपने रोड शो की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने इसे "15 किलोमीटर का बेमिसाल स्नेह" बताते हुए कहा कि जनता का समर्थन भाजपा के प्रति विश्वास को दर्शाता है। तस्वीरों में बड़ी संख्या में लोग उनका स्वागत करते नजर आए। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भाजपा सरकार स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान करने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगी।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अमेरिका और इजराइल पर ईरान को रत्ती भर भरोसा नहीं?

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहली बार अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने वार्ता हुई। इस बातचीत को लेकर अमेरिका और ईरान के जो प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तान पहुंचे थे, उनमें आपसी सहमति नहीं बन पाई। बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे यह बातचीत पूरी तरह से बेनतीजा रही। शनिवार को ईरान ने लेबनान पर हमले रोकने की शर्त रखी। अमेरिका ने इस पर चुप्पी साध रखी। दोनों देशों के प्रतिनिधि मंडल की सीधी वार्ता में राजनीतिक, सेना और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की ओर से ईरान द्वारा पेश किए गए मुद्दों के किसी एक पर ऐसी कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसे ईरान स्वीकार कर सके। अमेरिका का जो प्रतिनिधिमंडल आया था, वह भी हार्मोज को खोलने के लिए अड़ा रहा। अमेरिका के इस प्रस्ताव को ईरान के प्रतिनिधि मंडल ने नहीं माना। ईरान का कहना था, सारे मुद्दों पर एक साथ बातचीत हो।

एक साथ निर्णय लिए जाएं। ईरान पहले भी इस बात को कह चुका था। वह युद्धविराम के पक्ष में नहीं है। वह चाहता है, स्थाई रूप से युद्ध रुके। जो भी विवाद के कारण हैं, उन्हें दोनों पक्ष आपस में मिलकर सुलझायें। पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में सबसे बड़ा अड़ंगा इजराइल ने लगा रखा था। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु लेबनान को निशाने पर रखना चाहते थे। दोनों ही पक्ष अपना-अपना प्रेशर एक दूसरे पर बनाते रहे। इस बैठक में चीन और पाकिस्तान की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। यदि होती तो कुछ ना कुछ समझौते की राह निकलती। दोनों ही पक्ष इसे अपनी हार और जीत के रूप में देख रहे थे। पाकिस्तान मे हुई वार्ता बेनतीजा रही। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और इजराइल का इतिहास रहा है, इन्होंने हमेशा युद्ध विराम की आड़ में धोखा किया है। ईरान के साथ भी कई बार धोखा हो चुका है। जिसके कारण ईरान इस बार पूरी तरह से सतर्क था।

अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर जो संयुक्त रुप से हमला किया गया है, उसमें ईरान को बहुत अधिक नुकसान हुआ है, इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ईरान अब आर-पार की लड़ाई लड़ने में आ गया है। सौ सुनार की और एक लोहार की तर्ज पर इस समय ईरान का वार अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा है। ईरान को अच्छी तरह से मालूम था, यह बातचीत बेनतीजा रहेगी। इसलिए उसने अपनी युद्ध की तैयारी में जरा भी कोताही नहीं बरती। ईरान विश्व को यह बताने से भी नहीं चूका, कि वह शांति के पक्ष में है। युद्ध विराम के बाद जब इजराइल ने लेबनान पर हमले किए, इसका जवाब ईरान ने हिजबुल्ला के माध्यम से इजराइल को देकर वहां पर भारी तबाही मचा दी है। जो राजनीति अभी तक अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान के साथ कर रहे थे, वही फार्मूला अब ईरान ने भी अपना लिया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

जंग के बीच ईरान में महंगाई और जरुरी सामान की कमी, भारत ने दिखाई इंसानियत

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक महीन से ज्यादा चले युद्ध ने साबित कर दिया है कि तीनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर पड़ी है। सीजफायर का ऐलान जरूर हो गया है, लेकिन जमीन पर हालात अब भी आसान नहीं हैं। युद्ध अपने साथ सिर्फ तबाही नहीं लाता, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की किल्लत भी लेकर आता है। ईरान में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां आम लोग महंगाई और जरूरी सामानों की कमी से जूझ रहे हैं। वहीं भारत ने इंसानियत का परिचय देते हुए ईरानी लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। शांति वार्ता भी बेअसर रही। भारत सरकार अब युद्ध से प्रभावित ईरान समेत कई देशों को चावल भेजने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके। यह कदम सिर्फ एक कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का बड़ा उदाहरण है। ईरान में जरूरी खाद्य सामग्री महंगी हो गई है और कई जगहों पर उपलब्धता कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में भारत का आगे आना एक राहत भरी खबर है। सरकार के पास इस समय अनाज का पर्याप्त भंडार है, जिसे जरूरतमंद देशों तक पहुंचाया जा सकता है।

राहुल ने किया रन फॉर अंबेडकर के जरिए संविधान बचाने का आह्वान, संघ पर कसा तंज

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली में रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन को हरी झंडी दिखाकर इसकी औपचारिक शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने बाबा साहेब को नमन करते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा संविधान के मूल स्वरुप को बदलने की कोशिशे हो रहीं है। इसके लिए सतर्क रहने की जरुरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अंबेडकर के आदर्शों, उनके द्वारा रचित संविधान और उनकी दूरदर्शी सोच के प्रति हमें जागरूकता का प्रचार करना है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और युवाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर को नमन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बाबा साहेब का संदेश ही वास्तव में हमारे संविधान का मूल संदेश है और यही संविधान भारतीय लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है। अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी पार्टी और आरएसएस पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से जुड़े लोग निरंतर संविधान और अंबेडकर की सोच को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा मूल रूप से समानता के अधिकार के खिलाफ है और वे नहीं चाहते कि देश के गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों सहित सभी नागरिकों को बराबरी का हक मिले।

सुरों की मल्लिका आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन

लंबी बीमारी और कार्डियक अरेस्ट के बाद मुंबई में ली अंतिम सांस, संगीत जगत में शोक की लहर

एजेंसी। मुंबई

भारतीय संगीत जगत के लिए एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। महान गायिका

आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिसके चलते उनका निधन हो गया।जानकारी के अनुसार, बीती रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले उनकी पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया था कि आशा भोसले को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उनके फेफड़ों में संक्रमण था। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी दादी को काफी कमजोरी महसूस हो रही है और उनका इलाज जारी है। आशा भोसले का अंतिम संस्कार मुंबई के शिवाजी पार्क में किया जाएगा, जहां उनके चाहने वाले और संगीत जगत से जुड़े लोग उन्हें अंतिम विदाई देंगे। उनके निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। आशा भोसले भारतीय संगीत की उन महान हस्तियों में से थीं, जिन्होंने अपने करियर में सात दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रहकर संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने करीब 12,000 से अधिक गीत गाए, जिनमें हिंदी के अलावा कई अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं के गीत भी शामिल हैं। उन्हें अपने अतुलनीय योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, फिल्मफेयर अवॉर्ड, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण शामिल हैं। उनकी आवाज और शैली ने उन्हें दुनिया के सबसे बहुमुखी और लोकप्रिय गायकों में शामिल किया।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने रविवार को दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, "आशा भोसले के निधन से संगीत जगत में एक गहरा शून्य उत्पन्न हो गया है। एक प्रतिष्ठित गायिका के रूप में उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक युग को परिभाषित किया है। मुझे उनसे व्यक्तिगत रूप से हुई मुलाकातों की सुखद यादें हैं। अपनी मधुर और सदाबहार आवाज से उन्होंने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उनका संगीत अमर रहेगा। उनका निधन संगीत प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आशा भोसले की बेमिसाल आवाज और संगीत की विरासत लाखों लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आशा भोसले ने हिंदी, मराठी के साथ कई भाषाओं में गायन कर भारतीय गीत-संगीत और सिनेमा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित किया।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद पहले कमांडर सम्मेलन में तैयारियों की समीक्षा करेगी नौसेना

नई दिल्ली में 14 से 16 अप्रैल तक शीर्ष सम्मेलन में राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा पर होगी चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

साल में दो बार होने वाले नौसेना के कमांडर सम्मेलन का पहला हिस्सा 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक नई दिल्ली में होगा। नौसेना भवन में होने वाले इस शीर्ष सम्मेलन में राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, क्षमता विकास और सुरक्षा लक्ष्यों के साथ सामरिक तालमेल के लिए नौसेना के ऑपरेशनल रुख की पूरी समीक्षा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस के दौरान होने वाली बातचीत का मकसद भारतीय नौसेना को हिंद महासागर क्षेत्र और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 'पसंदीदा सुरक्षा भागीदार' के तौर पर प्रचारित करना है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और हिंद महासागर क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय ताकतों के मिलने के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए तेजी से नौसेना की तैनाती को देखते हुए इस कमांडर सम्मेलन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन का ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद नौसेना के ऑपरेशनल सिद्धांत, इंटर-सर्विसेज कोआर्डिनेशन और तकनीक से चलने वाले प्रतिक्रिया तंत्र को फिर से मजबूत करने में भी खास महत्व है। कॉन्फ्रेंस में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, गृह सचिव और नौसेना के वरिष्ठ शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे। इसका मकसद इंटर ऑपरेबिलिटी और तालमेल को बढ़ाना, राष्ट्रीय स्थिरता, सुरक्षा वास्तुकला और भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के तरीके पर एक बड़ा नजरिया बनाना है। यह फोरम राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ करीबी बातचीत के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता है, जो नौसेना योजना के लिए सामरिक दिशा तय करता है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ऑपरेशनल कमांडरों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूदा भू-रणनीतिक माहौल में बहु-आयामी चुनौतियों से निपटने की समीक्षा और आकलन करेंगे। सुरक्षा से जुड़ी जरूरी बातों के साथ-साथ, बातचीत में अहम ऑपरेशनल सफलता पाने, नीले पानी की क्षमताओं को बढ़ाने, ट्रेनिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, सस्टेनेबल मेंटेनेंस प्रैक्टिस, बिना क्रू वाले सिस्टम का असरदार इस्तेमाल, ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स और प्लेटफॉर्म की लड़ाई के लिए तैयार रहने के दूसरे जरूरी तरीकों पर फोकस किया जाएगा।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

16 से 18 तक सभी सांसदों की सदन में मौजूदगी अनिवार्य, अवकाश स्वीकृत नहीं

बीजेपी संसदीय दल ने अपने सांसदों के लिए जारी किया व्हिप, दिए निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

बीजेपी संसदीय दल ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। पार्टी के कार्यालय सचिव शिव शक्ति नाथ बख्शी ने निर्देश में लोकसभा और राज्यसभा के सभी बीजेपी सांसदों को तीन दिनों तक सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने को कहा है। इस व्हिप के मुताबिक 16 से 18 अप्रैल तक सभी सांसदों की मौजूदगी अनिवार्य होगी। इसमें विशेष रूप से केंद्रीय मंत्रियों और सभी सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे इन तीनों दिनों के दौरान सदन में मौजूद रहें। कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। उन्होंने सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का सख्ती से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति तय करें। बता दें पीएम मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर समर्थन का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि इस संशोधन को पारित कराने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए और इस विषय पर संसद में अपने विचार रखने चाहिए। उन्होंने इसे किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर का विषय बताया है।

बलोचिस्तान के नुश्की शहर को पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने चारों से ओर घेरा, मुस्तांग में फौज पर हमला, कई जवान मारे गए

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने अशांत प्रांत बलोचिस्तान के नुश्की को चारों ओर से घेर लिया है। आसमान पर सेना के विमान मंडरा रहे हैं। सुरक्षाबलों ने नुश्की जिले की सारी सीमाओं पर नाकाबंदी कर आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। चोरी-छुपे शहर से बाहर निकलने की कोशिश करने वालों पर गोलियां बरसाई जा रही हैं। प्रांत के मुस्तांग में सशस्त्र हमले में पाकिस्तान सेना के अनेक जवानों के मारे जाने और कइयों के घायल होने की सूचना है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने नुश्की शहर के प्रवेश और निकास द्वारों पर भारी घेराबंदी कर दी है। बाजार पूरी तरह बंद है। प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध करके किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं है। इलाके के एक निवासी ने बताया कि आज सुबह नुश्की

बाजार, गाजियाबाद, ग्रेड स्टेशन, गरीबाबाद और आसपास के अन्य स्थानों पर सुरक्षाबलों के सैकड़ों जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा कल नुश्की के कादिरबाद गांव को सुरक्षाबलों ने घंटों घेरे रखा। इस बीच गोलीबारी की आवाजें भी सुनाई दीं। ग्रामीणों ने बताया कि कादिरबाद के नूर मोहम्मद मेंगल के बेटे आबिद मेंगल और मोहम्मद रहीम जान बदिनी के बेटे ताहिर खान को सुरक्षाबलों के जवान हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले गए। इस संबंध में अधिकारिक जानकारी अभी तक नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो महीनों से नुश्की शहर में सुरक्षा बलों ने आंशिक कर्फ्यू लगा रखा है। इसके अलावा, बलोचिस्तान के मस्तुंग इलाके में सशस्त्र लोगों के पाकिस्तान की फौज पर हुए हमले में कई जवान मारे गए हैं। क्वेटा से सटे मैदानी इलाके कंबेला में सशस्त्र लोगों ने पाकिस्तान की सेना को निशाना बनाया गया है। इससे पहले सशस्त्र लोगों ने मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। पाकिस्तान की सेना का काफिला जब गुजरा तो उस पर गोलीबारी की गई। प्रांत के झाल मगसी जिले में सशस्त्र लोगों ने लेवीज फोर्स की दो चौकियों पर कब्जा कर लिया है। पहली चौकी लांडी और दूसरी सफरादी में है। इसके बाद अधिकारियों और कर्मचारियों के हथियार और मोटरसाइकिलें छीन ली गईं। इस घटना की अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, सशस्त्र लोग बलोच सशस्त्र स्वतंत्रता संगठन से संबंधित हैं।

बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर सरगर्मियां तेज, भाजपा ने शिवराज को बनाया पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए सरगर्मियां तेज हो गई हैं। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नए नेता के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी, जहां नए नेता के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। भाजपा ने रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी ने उनके अनुभव और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वे जल्द ही पटना पहुंच कर भाजपा विधायक दल की अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री आवास पर आज भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के विधायकों की बैठक बुलाई गई है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

शादीपुर डिपो के पास सड़क हादसा, 11 वर्षीय बच्ची की मौत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मध्य जिले के पटेल नगर थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 वर्षीय बच्ची की जान चली गई। यह हादसा शादीपुर डिपो के पास बालजीत नगर इलाके में रात करीब 9:30 बजे हुआ। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने रविवार को बताया कि पीसीआर कॉल के माध्यम से दुर्घटना की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जांच अधिकारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि बालजीत नगर निवासी 11 वर्षीय बच्ची को एक बस ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल भिजवाया। साथ ही, क्राइम टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए और हादसे की परिस्थितियों की जांच की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित चालक कप्तान सिंह (40) को गिरफ्तार किया। आरोपित विजय पार्क नजफगढ़ का रहने वाला है। हादसे में शामिल बस को भी जब्त कर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसका तकनीकी निरीक्षण किया जा रहा है। पुलिस अधिकारी के अनुसार इस मामले में पटेल नगर थाने में एफआईआर संख्या 151/26 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है।

साइबर ठगी में बैंक कर्मी की संलिप्तता उजागर, गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले में बैंक कर्मचारी को गिरफ्तार कर संगठित गिरोह की परतें खोल दी हैं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गाजियाबाद (उप्र) निवासी इरशाद मलिक (35) के रूप में हुई है, जो आरबीएल बैंक में कार्यरत था और अपने पद का दुरुपयोग कर फर्जी बैंक खाते खुलवाकर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने में मदद कर रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि आरोपित ने बिना उचित केवाईसी सत्यापन के "लॉरी ट्रेड एक्सिम" के नाम से एक बैंक खाता खुलवाया था। जिसका इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। इस खाते के जरिए कई पीड़ितों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई।पुलिस उपायुक्त के अनुसार यह मामला थाना साइबर द्वारका में दर्ज एफआईआर संख्या 138/23 से जुड़ा है, जिसमें एक पुलिसकर्मी के एसबीआई खाते से 88 हजार रुपये बिना ओटीपी के फर्जी तरीके से निकाल लिए गए थे। जांच में पता चला कि ठगी की रकम आरबीएल बैंक के उक्त खाते में ट्रांसफर की गई थी। बाद में यह जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि यह खाता मनमोहन सिंह के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खोला गया था। एफएसएल रिपोर्ट में हस्ताक्षर फर्जी पाए गए। साथ ही, जांच में यह भी सामने आया कि मनमोहन सिंह ने नौकरी दिलाने के बहाने अपने दस्तावेज सह-आरोपित हरजिंदर उर्फ हरजी को दिए थे। जिनका दुरुपयोग कर यह खाता खोला गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच को 10 अप्रैल को सूचना मिली कि आरोपित इरशाद मलिक न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित आरबीएल बैंक आएगा। इसके बाद टीम ने तकनीकी निगरानी के आधार पर छापा मारकर उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जांच में सामने आया कि आरोपित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए लोगों को पार्ट टाइम नौकरी का लालच देकर टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ते थे। शुरुआती मुनाफा देकर भरोसा जीतने के बाद उनसे बड़ी रकम निवेश करवाई जाती थी। रकम मिलने के बाद आरोपित ग्रुप बंद कर फरार हो जाते थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार इस मामले में पहले ही चार आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जो फिलहाल जमानत पर हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

14 साल से फरार डकैत गैंग का सरगना गिरफ्तार, दिल्ली-पंजाब में कई वारदातों का था मास्टरमाइंड

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पिछले 14 साल से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी और गैंगस्टर अर्जुन प्रसाद उर्फ अर्जुन पासी (44) को उप्र के गोंडा जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली और पंजाब में डकैती व लूट की कई वारदातों में वांछित था और 2012 से लगातार पुलिस से बचता फिर रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि आरोपित गोंडा का रहने वाला है और उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना गांव छोड़कर जानकी नगर इलाके में नई पहचान बना ली थी। क्राइम ब्रांच की मध्य रेंज टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर 11 अप्रैल को छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि अर्जुन पासी कई बड़े मामलों का मास्टरमाइंड रहा है। वर्ष 2012 में पंजाबी बाग इलाके में एक घर में घुसकर करीब 400 ग्राम सोना लूटा गया था। इस दौरान महिला और उसके बेटे को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया गया। वर्ष 2016 में मोती नगर इलाके में 25 लाख रुपये के जेवर और एक लाइसेंसी पिस्टल चोरी की घटना में भी उसका हाथ था। इसके अलावा 2018 में लुधियाना के मॉडल टाउन में 40 लाख रुपये नकद और 1.25 किलो सोने की डकैती में भी वह शामिल रहा। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित अपने गिरोह के साथ बेहद सुनियोजित तरीके से वारदातों को अंजाम देता था। गिरोह पहले घरों में नाबालिग को घरेलू नौकर बनाकर भेजता था, जो घर की पूरी जानकारी जुटाता था। इसके बाद रात के समय हथियारों के बल पर घरवालों को काबू कर लूटपाट की जाती थी। चोरी का माल गोंडा के एक सुनार के जरिए ठिकाने लगाया जाता था। पुलिस के अनुसार, अर्जुन पासी के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा, उप्र और पंजाब में करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पहले भी गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार हो चुका है, लेकिन दिल्ली और पंजाब के डकैती मामलों में फरार चल रहा था।

फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म से 47.20 लाख की ठगी, तीन आरोपी दबोचे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। फर्जी ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म के जरिए 47.20 लाख रुपये की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में विशाल चौहान को जींद से, रित्विक यादव को जयपुर (राजस्थान) से और उप्र के मैनपुरी निवासी प्रियाल प्रताप यादव को दिल्ली के किंग्सवे कैंप इलाके से दबोचा गया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि मामला ई-एफआईआर संख्या 00030/2025 से संबंधित है, जो साइबर थाना दक्षिण-पश्चिम जिले में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता को शेयर, इक्विटी और आईपीओ में निवेश के नाम पर झांसा देकर फर्जी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बड़ी रकम ठग ली गई थी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान एम/एस ऑरेंज हर्ब्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संचालित एक बैंक खाता सामने आया, जिसमें ठगी की रकम में से तीन लाख रुपये जमा किए गए थे। जांच में यह खाता 12 साइबर ठगी मामलों से जुड़ा मिला। पुलिस के अनुसार, यह 'लेयर-1' खाता था, जिसका उपयोग ठगी की रकम को आगे अन्य खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी निगरानी के आधार पर हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और अन्य स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान जींद निवासी विशाल चौहान को गिरफ्तार किया गया। जिसने कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता, सिम कार्ड, डेबिट कार्ड और चेक बुक गिरोह को उपलब्ध कराई थी। इसके बदले उसे 50 हजार रुपये मिले थे। उसके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। वहीं रित्विक यादव इस नेटवर्क में बिचौलिये की भूमिका निभा रहा था। उसने बैंक किट और सिम कार्ड जुटाकर अन्य आरोपितों तक पहुंचाए। जबकि, प्रियाल प्रताप यादव इन खातों और सिम का इस्तेमाल कर ठगी की रकम को आगे ट्रांसफर करने में शामिल था। उसके पास से भी एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गिरोह 25 से 40 प्रतिशत कमीशन पर लोगों और फर्मों के बैंक खाते लेकर उनका इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने में करता था, ताकि जांच एजेंसियों से बचा जा सके। फिलहाल दो आरोपित न्यायिक हिरासत में हैं। मामले की जांच जारी है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है और गिरोह के पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन निवेश के नाम पर अधिक मुनाफे का लालच देने वाले प्लेटफॉर्म से सावधान रहें और किसी भी निवेश से पहले उसकी विश्वसनीयता की जांच जरूर करें।

अरुणाचल के कुछ स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयासों को भारत ने बताया शरारतपूर्ण और तथ्यहीन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत ने चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों को कथित तौर पर नए नाम दिए जाने की कोशिशों को सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने इसे शरारतपूर्ण और तथ्यहीन बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन की ओर से भारत के हिस्से वाले क्षेत्रों को काल्पनिक नाम देने के प्रयास स्वीकार्य नहीं हैं। इस तरह के कदमों का कोई आधार नहीं है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश सहित ये सभी क्षेत्र भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। ये पहले भी भारत का हिस्सा थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि चीन की ऐसी हरकतें झूठे दावे और मनगढ़ंत नैरेटिव को बढ़ावा देती हैं। इससे जमीनी सच्चाई नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को प्रभावित करती है। उन्होंने चीन से अपील की कि वह ऐसे कदमों से बचे, जो द्विपक्षीय संबंधों में नकारात्मकता लाते हैं और आपसी समझ को कमजोर करते हैं।

विकसित देश संस्थाओं की मजबूती और युवा भागीदारी से परिभाषित होता है : विजेंद्र गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि एक विकसित देश केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं बल्कि उसकी संस्थाओं की मजबूती और युवाओं की सार्थक भागीदारी से परिभाषित होता है। उन्होंने यह विचार रविवार को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में आयोजित 'माय भारत बजट फेस्ट 2026' को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। यह कार्यक्रम युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की प्राचार्य प्रोफेसर सिमरित कौर तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय बजट वित्तीय दस्तावेज के साथ राष्ट्रीय संकल्प की अभिव्यक्ति और देश के भविष्य का मार्गदर्शक है। बजट शासन की प्राथमिकताओं को दर्शाता है और सतत विकास की दिशा निर्धारित करता है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 'महिला मॉक संसद' एक सुविचारित मंच है, जो युवा महिलाओं को विधायी प्रक्रिया की गहराई, अनुशासन और जिम्मेदारी से परिचित कराता है। यह उन्हें शासन से जुड़े विषयों पर संरचित एवं विचारशील तरीके से संवाद करने का अवसर प्रदान करता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज यहां 325 युवा महिलाओं की उपस्थिति सार्वजनिक जीवन के प्रति दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाती है। यह संस्थाओं के प्रति बढ़ती सहभागिता और राष्ट्र की दिशा तय करने वाली चर्चाओं में भाग लेने की तत्परता का संकेत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण इन्हीं प्राथमिकताओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। एक विकसित भारत केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि मजबूत संस्थाओं, प्रभावी नीतियों और विकास के लाभों के वास्तविक रूप से जनता तक पहुंचने से परिभाषित होता है।

राहुल गांधी बोले- डॉ. अंबेडकर की सोच और हिंदुस्तान के संविधान को खत्म करना ही भाजपा-आरएसएस का एकमात्र लक्ष्य

» कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के सम्मान में मैराथन का किया आयोजन, राहुल गांधी ने दिखाई हरी झंडी

लोकतंत्र की शान , जीशान अली

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार सुबह नई दिल्ली में 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' नामक सामाजिक परिवर्तन मैराथन को हरी झंडी दिखाकर उसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की सोच और हिंदुस्तान के संविधान को खत्म करना ही भाजपा-आरएसएस का एकमात्र लक्ष्य है, क्योंकि वो नहीं चाहते हैं कि देश के सभी लोगों को एक समान माना जाए। इस मैराथन का आयोजन पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा ओबीसी विभाग के समन्वय से किया गया था, जिसमें हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर के महान योगदान का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि संविधान डॉ. अंबेडकर जी का मुख्य संदेश था। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि संविधान के बिना हमारे देश का मौजूदा स्वरूप संभव नहीं होता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा नेता चाहे अंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हों, लेकिन उनका असली मकसद अंबेडकर जी की सोच और संविधान को खत्म करना ही है। कांग्रेस के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य संविधान की रक्षा करने के साथ उसके संदेश को देश के कोने-कोने तक फैलाना व इसे और अधिक मजबूत करना है। इसी उद्देश्य से कांग्रेस द्वारा 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन का आयोजन किया गया है। इस दौरान अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अज़हरूद्दीन, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस नेता के राजू, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, तनुज पुनिया, कर्मवीर बौद्ध, राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, ममता भूपेश, राजकुमार वेरका समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

मेट्रो-सड़क परियोजनाओं में आएगी तेजी, दिल्ली को प्रदूषण व जाम से मिलेगा निजात : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली मेट्रो और उससे जुड़े सड़क एवं फ्लाईओवर परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजधानी में आधुनिक और सशक्त सार्वजनिक परिवहन प्रणाली विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है, जिससे ट्रैफिक जाम कम हो, यात्रा सुगम बने और प्रदूषण में कमी आए। दिल्ली सचिवालय में हाल में आयोजित इस बैठक में दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। दिल्ली में डीएमआरसी कई फ्लाईओवरों का भी निर्माण कर रहा है। इसकी जानकारी रविवार को एक विज्ञप्ति जारी कर दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ परियोजनाओं में आ रही अड़चनों को लगातार दूर किया जा रहा है। बैठक में दिल्ली का परिवहन सिस्टम सुधारने व प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री को बताया गया कि दिल्ली मेट्रो का वर्तमान नेटवर्क 416 किलोमीटर में फैला है, जिसमें 303 स्टेशन, 12 लाइनें और 32 इंटरचेंज स्टेशन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 104.45 किलोमीटर लंबा नेटवर्क और 81 स्टेशन निर्माणाधीन हैं। फेज-IV के प्राथमिक कॉरिडोर में तेज प्रगति हुई है और कुल भौतिक प्रगति 79.57 प्रतिशत तथा वित्तीय प्रगति 80.60 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि मजलिस पार्क से मौजपुर, दीपाली चौक से मजलिस पार्क और जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन जैसे महत्वपूर्ण सेक्शन चालू हो चुके हैं। वहीं, कृष्णा पार्क एक्सटेंशन से दीपाली चौक, मजलिस पार्क से आरके आश्रम और तुगलकाबाद से एरोसिटी जैसे प्रमुख कॉरिडोर दिसंबर 2026 तक पूरे किए जाने का लक्ष्य है। इन कॉरिडोरों में कृष्णा पार्क से दीपाली चौक (लगभग 6.6 किमी), मजलिस पार्क से डेरावल नगर (3.5 किमी), डेरावल नगर से आर. के. आश्रम (7.4 किमी), तुगलकाबाद से संगम विहार (6.3 किमी), संगम विहार से साकेत जी ब्लॉक (4.3 किमी) और साकेत जी ब्लॉक से एरोसिटी (12.6 किमी) शामिल हैं, जो दिल्ली के विभिन्न हिस्सों को बेहतर तरीके से जोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि फेज-IV के शेष तीन कॉरिडोर लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक (8.38 किमी), इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ (12.37 किमी) और रिठाला से कुंडली (26.46 किमी) पर भी कार्य प्रारंभ हो चुका है। इन्हें मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा फेज-V(ए) परियोजनाओं पर भी तेजी से काम शुरू हो गया है। इनमें आर. के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.91 किमी), एरोसिटी से आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल-1 (2.26 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेट्रो परियोजनाओं के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण एकीकृत सड़क एवं फ्लाईओवर परियोजनाएं भी विकसित की जा रही हैं। आजादपुर से त्रिपोलिया चौक तक 2.16 किमी लंबा फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इस परियोजना की कुल लागत 264.27 करोड़ रुपये है। वर्तमान में इसका 73 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। यह एक डबल-डेकर संरचना है जिसमें मेट्रो और सड़क दोनों का उपयोग होगा। मुख्यमंत्री के अनुसार यमुना विहार से भजनपुरा तक 1.40 किमी लंबे फ्लाईओवर का 85 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस परियोजना की कुल लागत 291.17 करोड़ रुपये है। दक्षिण दिल्ली में एमबी रोड पर कई महत्वपूर्ण फ्लाईओवर परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। साकेत जी से संगम विहार तक 2.48 किमी लंबा 6-लेन फ्लाईओवर और साकेत जी और आंबेडकर नगर में अंडरपास बनाए जा रहे हैं। इस परियोजना की लागत 694.98 करोड़ रुपये है और अब तक 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। वहीं मां आनंदमयी मार्ग से पुल प्रहलादपुर तक 2.53 किमी लंबे फ्लाईओवर के लिए डिजाइन और अलाइनमेंट का कार्य प्रगति पर है। इन परियोजनाओं में एएसआई अनुमति, पेड़ कटाई और भूमि अधिग्रहण जैसी चुनौतियां सामने आ रही हैं, जिन्हें जल्द खत्म कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई नए प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। इनमें वजीराबाद से डीएनडी तक 19.2 किमी लंबा यमुना के किनारे एलिवेटेड रोड प्रस्तावित है, जिसे तीन चरणों सूरघाट से आईएसबीटी, आईएसबीटी से सराय काले खां और सराय काले खां से डीएनडी में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा त्रिपोलिया गेट से बर्फखाना तक 2.62 किमी लंबे फ्लाईओवर का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली मेट्रो और इससे जुड़े सड़क नेटवर्क का विस्तार राजधानी की जीवन रेखा को मजबूत करेगा। इससे न केवल लोगों की यात्रा तेज और आसान होगी, बल्कि ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। उन्होंने सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने और तय समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

दिल्ली-बिहार ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, छह तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पूर्वी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड (एएनएस) ने अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से कुल 58.7 किलोग्राम गांजा (व्यावसायिक मात्रा) और 5.31 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपये आंकी गई है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने रविवार को बताया कि इस मामले में पहले दो आरोपित नदीम और मोनू उर्फ अभिषेक को गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से 45 किलो 760 ग्राम गांजा, 2.65 लाख रुपये नकद, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और पैकिंग सामग्री बरामद हुई थी। इसके बाद आगे की जांच में चार अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान 9 अप्रैल को नदीम की निशानदेही पर लोनी (गाजियाबाद) निवासी शेर खान को पकड़ा गया, जो इस नेटवर्क का मुख्य सप्लायर था। इसके बाद 11 अप्रैल को कल्याणपुरी निवासी पिंकी कौर उर्फ डॉन (43) को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से 2 किलो 636 ग्राम गांजा और 2.66 लाख रुपये नकद बरामद हुए।पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए बिहार से गांजा सप्लाई करने वाले स्रोत तक पहुंच बनाई। 11 अप्रैल को ही संजय झील के पास जाल बिछाकर बिहार के वैशाली जिले के बिद्दीपुर निवासी दीपक पटेल (31) और विकास (32) को गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से करीब 10 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह बिहार से बड़ी मात्रा में गांजा लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था। आरोपित किराए के मकानों या घरों में गांजा छिपाकर रखते थे और बाद में छोटे-छोटे पैकेट बनाकर स्थानीय स्तर पर बेचते थे। इसके लिए वे प्लास्टिक पाउच, स्टेपलर और टेप का इस्तेमाल करते थे, ताकि आसानी से वितरण किया जा सके।पुलिस के अनुसार, गिरोह भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों को अपना ठिकाना बनाता था, जिससे किसी को शक न हो। उनका मुख्य उद्देश्य तेजी से मुनाफा कमाना था और इसके लिए उन्होंने एक संगठित नेटवर्क तैयार कर रखा था। फिलहाल सभी छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और आगे-पीछे के लिंक की जांच कर रही है।

सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए डीएमआरसी का बड़ा कदम, 2027 तक 70 ट्रेनों का होगा नवीनीकरण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ब्लू लाइन की पुरानी ट्रेनों के मिड-लाइफ रिफर्बिशमेंट (नवीनीकरण) की शुरुआत की है। इस पहल के तहत पुरानी ट्रेनों को आधुनिक तकनीक और नई सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, ताकि वे मौजूदा मानकों के अनुरूप बनी रहें। डीएमआरसी द्वारा रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम के तहत रेड और ब्लू लाइन की कुल 70 ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से अपग्रेड किया जा रहा है। पहले चरण में 12 ट्रेनें, दूसरे चरण में 18 ट्रेनें पहले ही नवीनीकरण के बाद सेवा में शामिल की जा चुकी हैं, जबकि जल्द ही अन्य ट्रेनों पर काम शुरू होगा। तीसरे चरण में 22 ब्लू लाइन ट्रेनों का नवीनीकरण नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। डीएमआरसी के मुताबिक ये ट्रेनें वर्ष 2002 से 2007 के बीच शामिल की गई थीं और लगभग 19 से 24 साल की सेवा पूरी कर चुकी हैं। अब इन्हें आधुनिक सिस्टम और सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने तीसरे चरण की पहली नवीनीकृत ट्रेन का रविवार को निरीक्षण भी किया, जिसे यात्री सेवा में शामिल कर दिया गया है। अब तक कुल 31 ट्रेनों का नवीनीकरण किया जा चुका है। नवीनीकरण के तहत ट्रेनों के अंदरूनी हिस्सों और तकनीकी सिस्टम में बड़े बदलाव किए गए हैं। कोच और ड्राइवर केबिन को नए सिरे से पेंट किया गया है और पुराने हिस्सों को ठीक किया गया है। इलेक्ट्रिकल पैनल को भी अपग्रेड कर उनकी कार्यक्षमता और विश्वसनीयता बढ़ाई गई है। डीएमआरसी के अनुसार यात्रियों को बेहतर जानकारी देने के लिए आधुनिक आईपी आधारित पैसेंजर अनाउंसमेंट और इंफॉर्मेशन सिस्टम (पीए-पीआईएस), सीसीटीवी कैमरे और एलसीडी आधारित डायनामिक रूट मैप लगाए गए हैं। ये सिस्टम यात्रियों को रीयल टाइम में रूट, समय और अगले स्टेशन की जानकारी देंगे, साथ ही आपात स्थिति में यात्रियों और ट्रेन ऑपरेटर के बीच संवाद भी संभव होगा। वहीं सुरक्षा के लिहाज से हर कोच में नए फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाए गए हैं, जिनमें धुआं और तापमान पहचानने वाले सेंसर शामिल हैं। इसके अलावा पुराने इलेक्ट्रिकल उपकरणों को बदलकर आधुनिक यूनिट लगाए गए हैं। डीएमआरसी के अनुसार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी कोच में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग पॉइंट भी उपलब्ध कराए गए हैं। डीएमआरसी का कहना है कि इस पहल के जरिए पुरानी ट्रेनों को नई ट्रेनों के समान स्तर पर लाया जा रहा है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, भरोसेमंद और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

अवैध खनन करते हाइड्रा मशीन व मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : कोतवाली क्षेत्र के गांव में अवैध खनन पर प्रशासन का डंडा चल गया खनन अधिकारी ने मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्राली व हाइड्रा मशीन को सीज कर दिया, बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दीपपुर में अवैध खनन की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए खनन विभाग ने बड़ी कार्यवाही की खनन अधिकारी केबी

सिंह ने बताया कि मुखबिर की सटीक सूचना पर शनिवार देर रात दीपपुर क्षेत्र में छापेमारी की गई जहां से अवैध खनन में संलिप्त एक हाइड्रा मशीन और मिट्टी से लदी एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रंगे हाथों पकड़ा गया, उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी उठाने की सूचना मिल रही थी वाहनों को कब्जे में ले लिया और हसनपुर कोतवाली में लाकर खड़ा कर दिया, सूत्रों की माने तो अवैध खनन का यह धंधा क्षेत्र के एक सफेद पोष नेताओ के संरक्षण में फल फूल रहा है जिसके चलते आरोपी ठेकेदार लंबे समय से अधिकारियों को डरा धमका कर अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था खनन अधिकारी के सिंह ने बताया कि शासन की जीरो टारलैस नीति के तहत अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी और भविष्य में इस प्रकार के छापामार कार्यक्रम जारी रहेंगे ।

सूखे तालाब में पलटी कार, तीन दोस्त घायल, ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः रविवार को हसनपुर संभल मार्ग पर एक गंभीर हादसा हो गया जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, बता ते चले कि संभल के नखासा थाना क्षेत्र निवासी फैजान, अली और अमन हसनपुर अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे, क्षेत्र के हसनपुर संभल मार्ग पर हसनपुर दिशा से जा रहे तेज रफ्तार वाहन को बचाने के

प्रयास में कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सूखे तालाब में जा गिरी जिसमें संभल के नखासा थाना क्षेत्र निवासी फैजान, अली, अमन सवार थे जो संभल से हसनपुर अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे, प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन को बचाने के चक्कर में कार चालक कार से नियंत्रण को बैठा जिससे कार सूखे तालाब में जा पलटी, हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई, मौके पर स्थानीय लोग जमा हो गए तथा ग्रामीणों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए कार सवार तीनों घायलों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनपुर में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है, सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी, पुलिस ने घायलों के परिजनों को भी सूचना दे दी है, थाना अध्यक्ष विकास सहरावत ने बताया कि पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है वहीं प्रत्यक्ष दर्शियो के अनुसार कार की रफ्तार काफी अधिक थी जिससे हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है ।

खाकी से 'समीक्षा अधिकारी' तक का सफरः सिपाही यदुनंदन सिंह ने पेश की मिसाल, गांव में भव्य स्वागत

अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ , सीतापुर। मेहनत और दृढ़ संकल्प के आगे संसाधन कभी बाधा नहीं बनते, इसे सच कर दिखाया है सीतापुर के लाल यदुनंदन सिंह यादव ने। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत यदुनंदन का चयन समीक्षा अधिकारी (RO) के पद पर हुआ है। उनकी इस बड़ी सफलता से पूरे जनपद और उनके पैतृक गांव में खुशी की लहर है।

संघर्षों से भरा रहा सफर- यदुनंदन सिंह का सफर आसान नहीं था। उनके जीवन के मुख्य पड़ाव कुछ इस प्रकार हैंः वर्ष 2016 में वे उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के रूप में भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती अयोध्या पुलिस लाइन में है। शिक्षाः उन्होंने अपनी इंटरमीडिएट की पढ़ाई सेठ रामगुलाम पटेल मेमोरियल इंटर कॉलेज, महमूदाबाद से की। इसके बाद जवाहर लाल नेहरू पॉलिटेक्निक से सिविल ट्रेड में डिप्लोमा हासिल किया। पारिवारिक स्थितिः उनके पिता स्वर्गीय रामेंद्र सिंह सिंचाई विभाग में नलकूप चालक थे, जिनका वर्ष 2019 में निधन हो गया। उनकी माता महेवा देवी एक गृहिणी हैं। पिता के साये के बिना भी उन्होंने अपनी पढ़ाई और लक्ष्य से ध्यान नहीं भटकने दिया।

गांव पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत- समीक्षा अधिकारी बनने के बाद पहली बार 12 अप्रैल 2026 को जब यदुनंदन अपने गांव नया गांव (थाना रामपुर कलां) पहुंचे, तो ग्रामीणों ने पलक-पावड़े बिछा दिए। "भंडिया चौराहा, कुंवर गड्डी चौराहा और नया गांव चौराहा सहित विभिन्न स्थानों पर लोगों ने फूल-मालाओं और मिठाइयों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया।"

युवाओं के लिए बने प्रेरणा- सीमित संसाधनों और पुलिस की कठिन ड्यूटी के बीच पढ़ाई जारी रखकर यदुनंदन ने साबित कर दिया कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो, तो सफलता निश्चित है। उनके परिवार ने उनके इस सफर में उनका पूरा सहयोग किया। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की पहला ब्लाक प्रमुख अजय यादव, सपा नेता शिवेंद्र यादव, विनीत यादव, शिक्षक संघ के हरिनाम सिँह यादव ने उनका फुल मालाओ से स्वागत किया और उनके आने पर एक आभार कार्यक्रम भी आयोजित किया

अंबेडकर जयंती को लेकर अमन कमेटी की बैठक का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को हसनपुर कोतवाली परिसर में आगामी 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है जिसके चलते पुलिस ने कोतवाली परिसर में क्षेत्र के गणमान्य एवं रसूखदार लोगों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित की, बैठक प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में हुई, बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया, बैठक का मुख्य उद्देश्य अंबेडकर जयंती समारोह को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने को लेकर रहा, इस संबंध में कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अंबेडकर जयंती सामाजिक समरसता का प्रतीक है वहीं उन्होंने आयोजनों से अपील करते हुए कहा कि शोभायात्रा और अन्य कार्यक्रम निर्धारित रूट और नियमों के तहत ही संपन्न कराया जाए ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, वही उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी अफवाह या भ्रामक खबर पर ध्यान ना दें यदि कोई संदिग्ध गतिविधि या कोई व्यक्ति दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचित करें,शांति व्यवस्था में खलल डालने वाले अराजक तत्वों को किसी भी कीमत बख्शा नहीं जाएगा, बैठक में उपस्थित नागरिकों और आयोजकों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया, उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भाईचारे के साथ इस पर्व को मनाएंगे वही अंत में कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने सभी से अनुशासन और हर्षोल्लास के साथ बाबा साहब की जयंती मनाने का आह्वान किया, इस मौके पर अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह, कस्बा इंचार्ज अंकुर मलिक, सतपाल सिंह, लव कुश कुमार, चंचल सागर, राजेंद्र सिंह, रिंकू, विजय कुमार गौतम, हेतराम सिंह, अंकुर सागर, देवराज सिंह, मलखान सिंह, मिंटू सागर आदि लोग मौजूद रहे ।

पं. बंगाल के चुनावी रण में उतरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सोनामुखी में किया विशाल जनसभा को संबोधित

लोक तंत्र की शान

सोनामुखी (बांकुड़ा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी दलों व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर कड़े प्रहार किए। सोनामुखी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि तृणमूल के शासन में यहां बहुत तांडव हुआ है। हमारे कार्यकर्ता सुमन को गोली मार दी गई। स्वरूप घोष, पलाश घोष, उत्पल दास जैसे कार्यकर्ताओं के घर उजाड़ दिए गए। सुशोभन का हाथ काट दिया। तृणमूल की गुंडागर्दी के ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। सीएम ने बंगालवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली में मोदी जी हैं, पश्चिम बंगाल में भी आप भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी। तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा सरकार के पास है। सीएम योगी ने स्थानीय भाषा में संवाद स्थापित करते हुए कहा कि अब बंगाल में 'खेला' बंद और भाजपा की जीत से विकास शुरू होगा। उन्होंने मंच से भाजपा प्रत्याशियों सोनामुखी से दिबाकर घरामी, इंडास से निर्मल धारा व बरजोड़ा से बिलेश्वर सिंघा को जिताने की अपील की।

अग्रवाल धर्मशाला में सजा श्री बालाजी का भव्य दरबार, भक्तों की अर्जी पर संकट हुए दूर

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। श्री बालाजी महाराज के जन्मोत्सव एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रमों के अंतर्गत शहर की अग्रवाल धर्मशाला में श्री बालाजी महाराज का अत्यंत सुंदर एवं भव्य दरबार सजाया गया। इस पावन अवसर पर महंत श्री अभिषेक मिश्रा एवं उपमहाद आयुष मिश्रा के सानिध्य में श्री बालाजी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना एवं दरबार का आयोजन किया गया। दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने पहुंचकर श्री बालाजी महाराज के चरणों में अपनी अर्जी लगाई। भक्तों ने परिवार, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार, शिक्षा सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर बालाजी महाराज से मनोकामना प्रकट की। इस दौरान भक्तों का कहना रहा कि श्री बालाजी महाराज के दरबार में आकर उन्हें आत्मिक शांति प्राप्त हुई तथा उनके संकट कटते हुए दिखाई दिए। महंत श्री अभिषेक मिश्रा ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री बालाजी महाराज के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर अर्जी अवश्य स्वीकार होती है। उन्होंने बताया कि यह दरबार श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है, जहां आने वाले हर भक्त को बालाजी महाराज की कृपा का अनुभव होता है। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसमें बालाजी महाराज के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन हेतु उमड़ी रही और सभी ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। दरबार आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं में समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ।

श्री बालाजी महाराज के जन्मोत्सव पर ऐतिहासिक विशाल शोभा यात्रा, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। श्री बालाजी महाराज के पावन जन्मोत्सव एवं 58वें वार्षिक उत्सव के शुभ अवसर पर नगर में 44वीं ऐतिहासिक विशाल शोभा यात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा शहर श्री बालाजी महाराज के जयकारों से गूंज उठा। यह भव्य शोभा यात्रा श्री राम भक्त सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व संस्थापक महंत बाबालीन सुरेंद्र कुमार मिश्रा, महंत श्री अभिषेक मिश्रा एवं उपमहंत आयुष मिश्रा ने किया। शोभा यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए, जिनके हाथों में ध्वज-पताकाएं थीं और वातावरण भक्तिमय बन गया। शोभा यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े और धार्मिक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। नगरवासियों ने श्रद्धा भाव से प्रसाद वितरण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर आयोजकों ने बताया कि यह शोभा यात्रा हर वर्ष श्रद्धा और आस्था के साथ निकाली जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होकर श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं नगर के गणमान्य लोगों का विशेष योगदान रहा। शोभा यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। भक्ति श्रद्धालु में रहे मौजूद अभिषेक मिश्रा आयुष मिश्रा से बहादुर घनश्याम बलदेव सिंह औलख आकाश सक्सेना हरीश गंगवार सूर्य प्रकाश पाल अनिल वशिष्ठ जागेश्वर दयाल अमित कपूर सुभाष नंदा दीपक गोयल संदीप अग्रवाल जुगेश अरोड़ा अवधेश राजू दीपचंद नीरज संजय तेजवीर सिंह प्रमोद आहूजा गोपाल वेद प्रकाश प्रेम कुमार ऐहसील सुनील दिनेश मुकेश विनोद दिनेश विशाल सौरभ सोनू अंकुर संजू राजीव विवेक कांति रितेश अशोक गण लाल विशाल संजीव गोपाल सुधांशु वरुण तनु देवांशु संजय अर्चित सेवा चेतन अभिनव हिमांशु मा आयुष अचल दीप प्रियां स अशोक सुबोध कुमार अंकित नरेंद्र सक्सेना देवेंद्र कुमार श्याम कुमार रविंदर विशाल मोहित सौरभ शर्मा सोनू प्रिंस श्वेता शर्मा मालती किरण मिश्रा सीमा श्वेता अंकित अनुराधा कविता रंजन आंचल कोमल आदि उपस्थित रही

थाना कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाईः प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार

» **भारी मात्रा में नशीला सीरप व ट्रामाडोल बरामद**

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। जनपद रामपुर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की तस्करी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई करते हुए 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में नशीला सीरप, ट्रामाडोल कैप्सूल, नकदी, मोबाइल फोन और वाहन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, लंबे समय से नशे के सौदागरों पर नजर रखी जा रही थी। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से पुलिस ने कुल 33 पेटियां बरामद की हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाइयां रखी गई थीं।

बरामद नशीली दवाइयों का विवरण-पुलिस ने मौके से जो नशीली सामग्री बरामद की, वह बेहद चौंकाने वाली है। बरामद पेटियों में— 226 शीशी वेसकोडेक्स (Vescodex) 2992 शीशी कोडेक्टस टीआर (Codectus TR) 144 शीशी वेरीकोफ (Vericof) नशे का सीरपइतना ही नहीं, पुलिस ने 35 डिब्बे भी बरामद किए, जिनमें कुल 8400 ट्रामाडोल कैप्सूल पाए गए। ट्रामाडोल को नशे के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और यह युवाओं को तेजी से नशे की गिरफ्त में ले जाने वाला खतरनाक पदार्थ माना जाता है।

नकदी और अन्य सामान भी बरामद- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से केवल नशीली दवाइयां ही नहीं, बल्कि तस्करी से जुड़ा अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक बरामदगी में शामिल है—

21,500 रुपये नकद,05 मोबाइल फोन,01 मोटर साइकिल, 01 स्कूटी,01 कार,पुलिस की सतर्कता से बड़ा नेटवर्क उजागर होने की संभावना,इस कार्रवाई को जनपद में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सूत्रों की मानें तो यह बरामदगी किसी बड़े नेटवर्क की ओर इशारा कर रही है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि इतनी भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीला सामान कहां से लाया गया और इसकी सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की जा रही थी। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा।

नशा तस्करों में मचा हड़कंप- कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई के बाद जिले में नशा तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस की सख्ती और लगातार हो रही छापेमारी से साफ है कि प्रशासन नशे के खिलाफ पूरी तरह गंभीर है। रामपुर पुलिस की यह कार्रवाई नशे के खिलाफ लड़ाई में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।

गजरौला में आज अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौलाः रविवार को दी ग्रेट जाट महासभा की एक आवश्यक बैठक गजरौला माल गोदाम रोड पर स्थित सामाजिक कार्यकर्ता एवं दी ग्रेट जाट महासभा के मुख्य संयोजक तेजवीर सिंह अलुना के आवास/कैम्प कार्यालय पर आयोजित की गई, मीटिंग में (आज) 13 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया, आपको अवगत कराते चलें कि पिछले कई वर्षों से 13 अप्रैल बैसाखी के दिन अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस का आयोजन किया जाता है, इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं दी ग्रेट जाट महासभा के मुख्य संयोजक तेजवीर सिंह अलुना ने कहा कि सभी लोग आपसी मेलजोल से रहें और देशहित समाज हित में काम करते रहे तथा उन्होंने कहा कि आने वाली पीढियो को दुर्व्यवयश्नों एवं नशे से बचाए, एक दूसरे का सहयोग करें, वही मीटिंग के दौरान सर्व सहमति से प्रिंस धारीवाल निवासी ग्राम जोगीपुरा को दी ग्रेट जाट महासभा में युवा जिला अध्यक्ष अमरोहा की जिम्मेदारी दी गई, इस अवसर पर राजवीर सिंह फौजी, सचिन कुमार फौजी, प्रिंस धारीवाल, विजय ,पुनीत,अक्षय आदि उपस्थित रहे ।

थाना प्रांगण में अंबेडकर जयंती पर भव्य गोष्ठी आयोजित, शांतिपूर्ण शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। आगामी 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में रविवार दोपहर करीब 2 बजे थाना प्रांगण नजीबाबाद में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के ग्रामीणों, शोभायात्रा निकालने वाली कमेटियों के पदाधिकारियों, पुलिस प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए थाना प्रभारी अमित कुमार ने बाबा साहब के महान विचारों, उनके संघर्ष और भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज को समानता, न्याय और अधिकारों का मार्ग दिखाया, जिसे अपनाना हम सभी का कर्तव्य है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जयंती के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा को पूरी तरह शांतिपूर्ण, अनुशासित और कानून के दायरे में आयोजित किया जाए। उन्होंने सख्त शब्दों में चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था, शोभायात्रा के निर्धारित मार्ग, समय-सारणी और ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर) के उपयोग को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। गोष्ठी में उपस्थित ग्रामीणों और कमेटी सदस्यों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे सभी नियमों का पालन करेंगे और कार्यक्रम को सफल एवं शांतिपूर्ण बनाने में पूरा सहयोग देंगे। इस अवसर पर थाना स्टाफ के साथ-साथ क्षेत्र के मीडिया कर्मी भी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन द्वारा की गई इस पहल को जयंती के सफल आयोजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

> थाना प्रभारी अमित कुमार ने दिए सख्त दिशा-निर्देश, नई परंपरा पर रहेगा प्रतिबंध – सहयोग का आश्वासन

थाना गंज पुलिस की बड़ी कार्रवाईः नकली नोटों का भंडाफोड़, 02 अभियुक्त गिरफ्तार, 4,88,200 रुपये के नकली नोट बरामद

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। जनपद में नकली नोटों के बढ़ते कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए थाना गंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली करेंसी बनाने व चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में प्रकाश में आए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 4,88,200 रुपये के नकली नोट तथा नकली नोट तैयार करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई दिनांक 01.04.2026 को थाना गंज क्षेत्र में की गई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए, जिससे पुलिस भी हैरान रह गई। बताया जा रहा है कि अभियुक्त लंबे समय से नकली नोटों को बाजार में खपाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग नकली नोटों का इस्तेमाल कर दुकानों व बाजारों में खरीदारी कर रहे हैं। इसी सूचना पर थाना गंज पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से नकली नोट बनाने में प्रयोग होने वाले कागज, प्रिंटिंग सामग्री व अन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी नकली नोट तैयार कर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई करने की योजना बना रहे थे। थाना गंज पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है कि यह नकली नोटों का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी की जा सकती है। साथ ही नकली नोटों की सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की जा रही थी, इसकी भी जांच की जा रही है। थाना गंज पुलिस की इस कार्रवाई को नकली नोटों के कारोबार पर एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को नकली नोटों से संबंधित कोई भी सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

लालगंज में रोड सेफ्टी के नाम पर अवैध वसूली

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में रोड सेफ्टी के नाम पर अवैध वसूली करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। यह घटना लंगड़ी पाकर सब्जी मंडी के पास हुई, जहां वाहनों को रोककर उनसे जबरन 500 रुपये वसूले जा रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही तीन लोग भागने लगे, जिनमें से एक को पीछा कर पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य फरार हो गए। गिरफ्तार युवक की पहचान पटना निवासी उमेश कुमार के पुत्र ललन कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी दुकान के सामने एक बैनर लगाकर खुद को रोड सेफ्टी अभियान का अधिकारी बताते थे। वे आने-जाने वाले वाहन चालकों को रोककर उनसे जुर्माने के नाम पर पैसे वसूलते थे। वाहन चालकों को एक फर्जी कागज भी दिया जाता था, जिस पर सड़क सुरक्षा की मुहर और आरटीओ के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था। पुलिस को आशंका है कि यह एक संगठित गिरोह हो सकता है, जो विभिन्न थाना क्षेत्रों में घूम-घूमकर इस तरह की ठगी कर रहा है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी ललन कुमार से पूछताछ कर रही है और फरार हुए दो अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। प्रशासन ने आम जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित थाने को देने की अपील की है ताकि ऐसे फर्जीवाड़े को रोका जा सके। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। एसबीआई (विशेष शाखा) के एक अधिकारी ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले महुआ रोड पर भी इसी तरह की शिकायत मिली थी, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले आरोपी फरार हो गए थे। इसके अलावा, बिदुपुर थाना क्षेत्र में भी लगभग एक सप्ताह पूर्व फर्जी स्टिकर लगाकर पैसे वसूलने की ऐसी ही घटना की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि कागज पर सड़क सुरक्षा का मुहर और आरटीओ का साइन बना हुआ था, जिससे वह असली प्रतीत हो रहा था। अन्य स्थानीय लोगों ने भी बताया कि अगर यह कार्य किसी सरकारी विभाग द्वारा किया जा रहा होता, तो संबंधित लोग पुलिस को देखकर भागते नहीं। लोगों ने बताया कि पुलिस के पहुंचते ही आरोपी भागने लगे, जिससे उनके फर्जी होने की पुष्टि होती है।

वैशाली के सैदाबाद में अग्निकांड से 15 घर जले

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड क्षेत्र के सैदाबाद पंचायत के वार्ड संख्या 3 में बीते 6 अप्रैल को आए भीषण अग्निकांड ने कई परिवारों की रातों की नींद उड़ा दी थी। आग ने कुल 15 घरों को राख कर दिया, जिससे परिवार बेघर हो गए थे। रविवार को राघोपुर अंचल कार्यालय की ओर से पीड़ितों के लिए राहत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंचल अधिकारी राजीव रंजन चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी 15 अग्नि पीड़ित परिवारों को 12-12 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। इस मौके पर सैदाबाद पंचायत के मुखिया सुनील कुमार

कर्मवीर, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष रामजीवन पासवान, लोजपा नेता जीडी यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंचल अधिकारी ने कहा, "आपदा की इस घड़ी में प्रशासन पीड़ितों के हर संभव मदद के लिए तत्पर है।" उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी आवश्यक सहायता दी जाएगी। राहत पाकर पीड़ित परिवारों के चेहरे पर संतोष और राहत देखी गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मिली सहायता से परिवारों को काफी राहत मिली है। अंचल अधिकारी राजीव रंजन चौधरी की सक्रियता और संवेदनशील कार्यशैली की पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। उनके नेतृत्व में त्वरित राहत वितरण ने प्रशासन की जिम्मेदारी और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को साबित किया है। इस पहल से पीड़ितों को न केवल आर्थिक सहयोग मिला, बल्कि यह विश्वास भी जागा कि प्रशासन संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।

युवक ने कुएं में कूदकर दी जान, घर से 50 मीटर दूर मिला चप्पल, केला बागान से शव बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में रविवार को केला बागान स्थित कुएं में गोते लगाकर युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खिलवत पंचायत के कमालपुर सिंघिया गांव की है। मृतक की पहचान राजबलम राय के पुत्र राजेंद्र राय (41) के रूप में हुई है। वह शिलांग में एक निजी कंपनी में कार्यरत था और बीते मंगलवार को घर आया था। मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कुएं के पास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कुएं की बिगड़ी हालत को देखते हुए मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम ने शव निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम को सूचित किया। फिलहाल लोग एसडीआरएफ के आने का इंतजार कर रहे हैं। मृतक के पिता राजबलम राय ने बताया, "बेटे का परिवार से क्या विवाद हुआ, इसकी जानकारी नहीं है। रविवार सुबह जब हम उठे तो पता चला कि वह रात से ही घर से गायब है। आस-पास तलाश करने पर घर से करीब 50 मीटर दूर कुएं के पास उसके चप्पल, सिगरेट का पैकेट और लाइटर मिले। इसके बाद कुएं में कांटा डालकर खींचा गया तो पानी से शव ऊपर आया । शरीर पर कोई कपड़ा न होने के कारण निकालने में दिक्कत हुई। इसकी सूचना बिदुपुर पुलिस को दी गई।" मृतक राजेंद्र राय के दो पुत्रियां और एक पुत्र है। बड़ी पुत्री हायर सेकेंडरी में पढ़ती है और शादी योग्य है। अन्य दोनों संतान भी पढ़ाई कर रहे हैं। युवक के इस कदम से पत्नी, तीनों बच्चों, पिता और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है। इससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाभी की हत्या के आरोपी ने हाजत में खाया जहर

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में प्रेम-प्रसंग में भाभी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार युवक ने हाजत में जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस ने उसे तुरंत लालगंज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। युवक की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना बेलसर थाना क्षेत्र के मौना बिशनपुर गांव की है। शनिवार 11 अप्रैल को गर्भवती महिला का शव आंगन में पड़ा मिला। महिला से पड़ोस में रहने वाले देवर ने पहले रेप का प्रयास किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की सूचना आरोपी खुद ही पुलिस को फोन पर दी। महिला की पहचान राधा कुमारी (26) के रूप में हुई है। उसके दो बच्चे (एक बेटा, एक बेटी) है। पुलिस जांच के दौरान महिला के देवर साहिल पटेल पर प्रेम-प्रसंग में हत्या का आरोप लगा। इसके बाद पुलिस ने शनिवार की रात उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद साहिल पटेल को बेलसर थाना लाया गया था। यहीं हाजत में उसने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया। वैशाली मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र की राधा कुमारी की शादी 7 साल पहले बेलसर थाने के दीपक पटेल के साथ हुई। दीपक पटेल शादी के बाद अक्सर काम के सिलसिले में घर से बाहर रहता था। घटना के दिन (शनिवार) को भी पति पुणे में नौकरी कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी दौरान घर से 100 मीटर की दूरी पर रहने वाले पड़ोसी साहिल पटेल से राधा की बातचीत शुरू हुई। दोनों को कई बार बातचीत करते परिजनों ने भी देखा। जिसके बाद पंचायत हुई और दोनों को समझा-बुझाकर अलग कर दिया गया। इसके बाद से महिला घर से बहुत कम ही बाहर निकलती थी। लेकिन पड़ोसी साहिल नहीं माना और महिला से बातचीत करने और उसके घर जाने के कोशिश करता रहा। महिला की सास ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार की सुबह घर में सबकुछ नॉर्मल था। मैं खाना बनाकर काम पर चली गई। घर में बहू अकेली थी। इसी दौरान पड़ोसी साहिल पटेल आया और उसके साथ जबरदस्ती की। जब बहू ने इसका विरोध किया तो उसका गला दबा दिया। इसी दौरान उसने पुलिस को फोन कर हमलोगों का नाम फंसा दिया। अभी खुद ही फरार है।

पटना में गैस किल्लत से गुस्साए लोग सड़क पर उतरे

फुलवारीशरीफ में एम्स मार्ग किया जाम, लोग बोले- 4 दिन से नहीं मिला सिलेंडर

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में रसोई गैस की किल्लत से परेशान उपभोक्ताओं ने रविवार को सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। बोचाचक के समीप फुलवारीशरीफ-एम्स मुख्य मार्ग पर सैकड़ों लोगों ने यह प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले चार दिनों से एचपी गैस एजेंसी द्वारा सिलेंडर का वितरण नहीं किया जा रहा है।

गैस लेने के लिए बुलाया, फिर खाली हाथ लौटा दिया- स्थानीयः स्थानीय लोगों ने बताया कि एजेंसी द्वारा बार-बार गैस लेने के लिए बुलाया जाता है, लेकिन पहुंचने पर उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ता है। इसी से नाराज होकर रविवार सुबह लोगों ने सड़क जाम कर एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी की। इस प्रदर्शन के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बाधित हो गया।

गैस न मिलने के से खाना बनाना मुश्किल- प्रदर्शनकारीः प्रदर्शनकारियों ने बताया कि गैस न मिलने के कारण घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। कई परिवारों को खाना बनाने के लिए लकड़ी या अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि एजेंसी की मनमानी लंबे समय से जारी है, और इस बार समस्या लगातार बढ़ रही है।

प्रशासन और पुलिस की समझाइश पर जाम हटायाः सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया कि एजेंसी संचालकों से बात कर जल्द ही गैस वितरण की व्यवस्था ठीक कराई जाएगी। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद जाम हटाया गया और यातायात सामान्य हो सका। फुलवारीशरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि, 'गैस एजेंसी के मालिक से बातचीत हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही गैस सिलेंडर का ट्रक आने वाला है और पुलिस सुरक्षा में वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उपभोक्ताओं को शांत रहने का आश्वासन दिया गया है।'

मैथिली ठाकुर की भक्ति गीत में मग्न अनंत-राधिका अंबानी

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार की लोक गायिका और बीजेपी की विधायक मैथिली ठाकुर ने अंबानी परिवार के एक फंक्शन में भक्ति गीत गाए। गुजरात के जामनगर में 10 अप्रैल को आयोजित अनंत अंबानी के 31वें जन्मदिन समारोह में मैथिली की गीत पर पूरा अंबानी परिवार भक्ति में मग्न दिखा। इसका वीडियो सामने आया है जिसमें मुकेश, नीता, उनकी बेटी ईशा, अनंत अंबानी, राधिका मर्चेंट, श्लोका अंबानी के चेहरे पर भक्ति और सादगी साफ झलक रही है।

भजन संध्या सबसे खास आकर्षण रहाः देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का जन्मदिन इस बार कुछ खास अंदाज में मनाया गया। जामनगर में आयोजित इस भव्य समारोह में फिल्म और उद्योग जगत की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इस पूरे आयोजन का सबसे खास आकर्षण रहा भजन संध्या, जिसमें बिहार की प्रतिभाशाली गायिका और बीजेपी विधायक मैथिली ठाकुर ने अपनी प्रस्तुति दी। मैथिली ठाकुर ने स्टेज पर आते ही "राधिका गोरी से" जैसे प्रसिद्ध भजन गाकर माहौल को

राधिका गोरी से... भजन पर झूमा अंबानी परिवार, बेटे अनंत के जन्मदिन पर आयोजन

पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। उनकी आवाज ने वहां मौजूद हर शख्स को भक्ति में डुबो दिया। यही वजह रही कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पूरा अंबानी परिवार भजनों की धुन पर झूमता नजर आ रहा है।

साल 2025 से अलिनगर से विधायक बनी हैं मैथिलीः बिहार से निकलकर देश-विदेश में अपनी पहचान बनाने वाली मैथिली ठाकुर आज सिर्फ एक गायिका ही नहीं, बल्कि एक जनप्रतिनिधि भी हैं। बीजेपी विधायक के रूप में उनकी यह प्रस्तुति बिहार के लिए भी गौरव का विषय मानी जा रही है।

पटना में विशेष अभियान चार अपराधी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिले के पश्चिमी इलाके में बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में बिहटा थाना पुलिस ने देर रात विशेष कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मूसेपुर गांव निवासी अरुण कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया है। जांच में सामने आया है कि वह हथियार को घर में छिपाकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

तीन फरार आरोपी भी गिरफ्तारः इसके अलावा पुलिस ने मारपीट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे तीन अन्य आरोपियों को कटेसर गांव से गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी कई वर्षों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे।

विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगाः थाना प्रभारी अमित

बिहटा में देशी कट्टा के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हथियार के साथ पकड़ा गया है, जबकि अन्य तीन को कोर्ट के आदेश पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए आगे भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रहेंगे।

सहरसा में अपराध नियंत्रण पर सख्तीः मासिक अपराध गोष्ठी में त्वरित कार्रवाई और जनसंपर्क पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में विकास भवन में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-01), साइबर शाखा, अंचल पुलिस निरीक्षक, सभी थानाध्यक्ष एवं पुलिस कार्यालय/केंद्र के शाखा प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक में लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, अपराध नियंत्रण तथा विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि CCTNS पर चार्जशीट/फाइनल फॉर्म अपलोडिंग में तेजी लाई जाए और लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के साथ स्पीडी ट्रायल सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, थाना स्तर पर

गिरफ्तारी एवं बरामदगी की प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने ई-डिजियर तैयार करने, वांछित अपराधियों को इनामी घोषित करने तथा उन पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। POCSO, SC/ST एवं आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। अनुसंधान की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए डॉग स्क्वाड एवं FSL (फॉरेंसिक साइंस लैब) के प्रभावी उपयोग पर भी बल दिया गया। महिला आयोग, मानवाधिकार आयोग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग से संबंधित लंबित परिवादों की समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध और विधिसम्मत निपटारे के निर्देश दिए गए। जनसंपर्क को मजबूत करने के लिए सभी थानाध्यक्षों को पंचायत स्तर पर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर आम जनता की समस्याएं सुनने एवं उनका समाधान करने को कहा गया। ERSS और जनशिकायतों से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा, आत्मनिर्भर फंड एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाने और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में हत्या, लूट, गृहभेदन, नारकोटिक्स/एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट एवं वाहन चोरी जैसे गंभीर अपराधों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही गृहभेदन एवं चोरी की रोकथाम हेतु रात्रि गश्ती और बीट वार गश्ती का रोडमैप तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। साइबर अपराध के मामलों में जागरूकता बढ़ाने और ऐसे मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए भी अधिकारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। सहरसा पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण, त्वरित न्यायिक प्रक्रिया तथा जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पटना जू में देखने को मिलेंगे 24 नए जानवर, दिल्ली जू से सफेद बाघिन आ रही

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जू में जल्द ही 24 नए जानवर देखने को मिलेंगे। पटना जू में एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दिल्ली जू और रोहतक जू से नए जानवर आ रहे हैं। दिल्ली जू के साथ हुए समझौते के तहत, पटना जू को 1 सफेद बाघिन मिलने वाली है। वहीं, 6 संघाई हिरण, 4 सफेद ब्लैकबक, 4 गुलाबी पेलिकन, 4 पेंटेड स्टॉर्क और 1 सफेद बगुला शामिल हैं। इसके साथ ही रोहतक जू से 2 ग्रीन इगुआना और 2 सिल्वर फिजेंट मिलेंगे। अप्रैल अंत तक इन जानवरों के पटना जू पहुंचने की उम्मीद है।

दिल्ली जू से आने वाले संघाई हिरण में दो नर और चार मादा, सफेद ब्लैकबक में दो नर और दो मादा होंगी। इसके बदले दिल्ली जू को पटना जू की ओर से एक मेल टाइगर, 4 घड़ियाल, 4 इंडियन मृग, 4 इंडियन वुल्फ, 2 कॉमन रैट स्नेक और 2 बार्न आउल दिए जाएंगे। इसके साथ ही भेड़ियों की एक जोड़ी हरियाणा के रोहतक जू भेजी जाएगी। दोनों जू से एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम को मंजूरी मिल गई है। अब पटना जू की टीम दोनों चिड़ियाघरों का दौरा करेगी और उनकी टीमें भी इस प्रक्रिया को गति देने के लिए यहां आएंगी।

जू प्रशासन के अनुसार सफेद ब्लैकबक और हरे इगुआना विजिटर्स के लिए एक नया आकर्षण होंगे। नए

रोहतक जू से पहुंचेगा ग्रीन इगुआना और सिल्वर फिजेंट

जानवरों के लिए ब्लैकबक के बगल में एक अलग बाड़ा बनाया गया है। इसके अलावा, रेप्टाईल घर में इगुआना के लिए एक कांच का बाड़ा (20x30 फीट) तैयार किया गया है। इगुआना फल, सब्जियां, पत्ते और कीड़े खाते हैं। उन्हें प्राकृतिक वातावरण की आवश्यकता होती है। इसके लिए उनके बाड़े में मजबूत टहनी, एक फाउंटेन और आसपास कुछ पत्थर और पत्ते भी लगाए गए हैं, जो नैचुरल लुक दे। जू प्रशासन के मुताबिक एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के बीच जेनेटिक डाइवर्सिटी को बनाए रखना और इनब्रीडिंग को रोकना है।

ट्रैक पर फंसी कार, सीमांचल एक्सप्रेस रूकी लोको पायलट की सूझबूझ से टला हादसा

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के दानापुर में शनिवार देर रात एक बड़ा रेल हादसा टल गया। रूपसपुर नहर के पास रेलवे ट्रैक पर एक इनोवा कार फंस गया, दानापुर से पाटलिपुत्र जंक्शन जा रही सीमांचल एक्सप्रेस को आधे घंटे तक रोकना पड़ा।

ट्रैक पार करते समय फंसी कार, ट्रेन आती देख भागे सवारः घटना रात करीब 11:45 बजे की बताई जा रही है। रूपसपुर गांव की ओर से आ रही इनोवा कार मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग से नहर पार करने के लिए बनी संकरी पुलिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से कार सीधे रेलवे ट्रैक पर फंस गई। कार में सवार लोगों ने वाहन को ट्रैक से हटाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। तभी उसी ट्रैक पर सीमांचल एक्सप्रेस उसी ट्रैक पर तेजी से आती दिखी। ट्रेन को करीब आता देख कार सवार लोग अपनी जान बचाने के लिए तुरंत गाड़ी छोड़कर सुरक्षित स्थान पर भाग गए।

लोको पायलट की सूझबूझ से टली बड़ी घटनाः ट्रेन चालक ने दूर से ही ट्रैक पर फंसी कार को देख लिया। उसने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए, जिससे ट्रेन समय रहते रुक गई और एक बड़ा हादसा टल गया। चालक की सतर्कता से जान-माल का बड़ा नुकसान होने से बच गया।

यात्रियों ने हटाई कार, फिर रवाना हुई ट्रेनः घटना

के बाद करीब आधे घंटे तक ट्रेन ट्रैक पर खड़ी रही। इस दौरान ट्रेन में सवार कुछ युवकों ने आगे बढ़कर मदद की और काफी मशक्कत के बाद कार को ट्रैक से हटाया गया। इसके बाद ट्रेन को पाटलिपुत्र जंक्शन के लिए रवाना किया गया। रेलवे प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए लोगों से अपील की है कि मानव रहित क्रॉसिंग पार करते समय विशेष सावधानी बरतें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

पटना के स्टूडेंट ने राजस्थान में किया सुसाइड

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के एक स्टूडेंट ने राजस्थान के सवाई माधोपुर में सुसाइड कर लिया। छात्र का शव रविवार सुबह घर की तीसरी मंजिल पर सोलर पैनल के एंगल से फंदे पर लटका मिला। छात्रा का नाम राहुल कुमार तिवारी (25) है, जो संस्कृत में शास्त्र की पढ़ाई करने 15 दिन पहले ही बिहार से आया था। वह वहां किराए पर कमरा लेकर रहता था। फिलहाल सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक के परिवार को भी सूचना दे दी गई है। मामला कोतवाली थाना इलाके के पटेल नगर का है। SHO मदन लाल मीणा ने बताया कि राहुल के पास गैस सिलेंडर नहीं था। शनिवार शाम उसने मकान मालिक के किचन में सब्जी, रोटी और दलिया बनाया। उस समय मकान मालिक घर पर नहीं था। इसके बाद

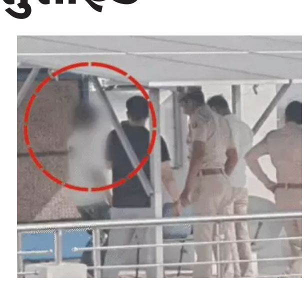

उसने अपने लिए थाली में रोटी और सब्जी परोसी। थाली में डेढ़ रोटी और सब्जी वैसे ही पड़ी मिली। आधी रोटी से उसने सिर्फ दो निवाले ही खाए थे। दलिया भी एक बर्तन में थाली के पास रखा हुआ था। रात में वह छत पर गया। पहले तार से फंदा लगाने की कोशिश की, लेकिन बाद में चादर को चाकू से काटकर फंदा बनाया। कोतवाली SHO मदन लाल मीणा ने बताया, "राहुल पटना सिटी के मेहंदीगंज थाना इलाके के दलदलीय गंज का रहने वाला था।

'चाचा झुकना पसंद किए, लालू जी लड़ना पसंद किए'

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के बापू सभागार में पान महासम्मेलन आयोजित किया गया है। मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार विधानसभा के विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव की आरती उतारकर उनका स्वागत किया। उनके साथ मदन मोहन झा, आईपी गुप्ता सहित कई नेता मंच पर मौजूद हैं। मंच पर तेजस्वी यादव, आईपी गुप्ता और झलकारी बाई के वंशज मंगल सिंह को चांदी का मुकुट पहनाया गया। उन्हें चांदी की गदा भी दी गई। मंगल सिंह अपने साथ 1857 की लड़ाई के दौरान वीरांगना झलकारी बाई की तलवार लेकर आए, जिसे आईपी गुप्ता ने लहराकर समर्थकों को दिखाया। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (IIP) के अध्यक्ष और सहरसा के विधायक आईपी गुप्ता ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी निमंत्रण दिया था। मदन मोहन झा ने राहुल गांधी के नहीं आने पर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, 'राहुल जी किसी काम की व्यस्तता के कारण नहीं आ पाए।'

अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को मुख्य धारा में लाना है- तेजस्वी यादवः नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, 'अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा, तब तक मुख्य धारा में लाना मुश्किल है।पहले गरीबों को, दलितों को घोड़ी पर नहीं बैठने देते थे। लालू जी ने तावा पर एक साइड जल रहे रोटी को पलट दिया। अब 90 के दशक से पहले वाला बात नहीं है। कोई अगर पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और महादलित के साथ दिक्कत हो रही तो हम लोग खड़े रहेंगे।' उन्होंने कहा कि, 'चुनाव का जो रिजल्ट था, वो असली रिजल्ट नहीं था। वो

तेजस्वी बोले- हम बोले थे भाजपा नीतीश जी को रहने नहीं देगा, देखिए जा रहे दिल्ली

मशीन का रिजल्ट था। हम लोग को वोट मिला 1 करोड़ 90 लाख, बैलेट पेपर में हम लोग 145 सीट जीते, लेकिन मशीन में 200 सीट हार गए। ये लोकतंत्र नहीं, मशीन तंत्र और धन तंत्र की जीत है।' तेजस्वी ने आगे कहा, 'ये लोग 10-10 हजार बांट रहे थे, अब काहे नहीं 2 लाख दे रहे हैं। बिजली फ्री देने का वादा किए, अब रेट ही बढ़ा दिए।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'भाजपा आरक्षण विरोधी पार्टी है। ये भाजपा वाले पिछड़ों का पार्टी नहीं देखना चाहते हैं। हम लोग सरकार मे थे तो 5 लाख से ज्यादा नौकरी दिए थे। अब ये लोग युवाओं का भविष्य खराब कर रहे हैं। बिहार मे प्राथमिक और माध्यमिक 76 हजार विद्यालय है, लेकिन एक भी संगीत टीचर नहीं है। फिर भी लगभग 160 करोड़ का ढोलक तबला सरकार खरीद लिया है।'

संक्षिप्त समाचार

एएनटीएफ टीम को मिली बड़ी सफलता: तैंतालीस लाख नब्बे हजार के मादक पदार्थों के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

154 ग्राम एमडीएमए, 56 किलो 990 ग्राम अवैध गांजा नकदी, कार व मोबाइल फोन बरामद

लोकतंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ ,लखनऊ। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ यूनिट मेरठ की टीम ने अर्टिगा कार में अवैध गांजा लादकर सप्लाई करने जा रहे दो तस्करों को अल्लाह बक्श पुर गांव के सामने मुरादाबाद से गाजियाबाद जाने वाली सर्विस लेन से रविवार को गिरफ्तार किया है। जबकि एएनटीएफ ऑपरेशन यूनिट आगरा ने अवैध मादक पदार्थ (एमडीएमए) के साथ तीन तस्करों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। एएनटीएफ टीम को इनके पास से 56 किलो 990 ग्राम अवैध गांजा, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल फोन, पेन कार्ड, एक मारूति अर्टिगा कार व 11,310 रुपए की नकदी, 154 ग्राम अवैध एमडीएमए, 15,920 रुपए की नकदी, एक कार, तीन मोबाइल फोन, आधार कार्ड, अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड व पैन कार्ड बरामद हुए हैं। बरामद अवैध मादक पदार्थों की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 43 लाख 90 हजार रुपए बताई जा रही है। एएनटीएफ यूनिट मेरठ की टीम ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर गाजियाबाद जिले के इन्द्रापुरम निवासी खबरूल हसन मियाह व दक्षिणी दिल्ली निवासी अशदुल हक़ को गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ टीम के मुताबिक पकड़े दोनों तस्करों ने पूछताछ में बताया कि यह लोग अवैध गांजा बिहार राज्य से ट्रेन के जरिए से बरेली व मुरादाबाद मंगवाते हैं और कार में लादकर दिल्ली के एनसीआर क्षेत्र में सप्लाई करने की बात स्वीकार किया है। इसके अलावा एएनटीएफ यूनिट आगरा की टीम ने फतेहाबाद आगरा निवासी विजय सिंह, फतेहाबाद आगरा निवासी आशीष सिंह व हाथरस जिले के दरियापुर निवासी महिला तस्कर विनीता को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में कितने लोग और शामिल हैं इसके बारे में एएनटीएफ टीम जानकारी एकत्र कर रही है।

फतेहाबाद : फसल कटाई पर विवाद, दादा पर चाकू से हमला और पोते से मारपीट

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। जिले के गांव फूलां में गेहूं की फसल कटवाने के दौरान हुए आपसी विवाद में दादा-पोते पर हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में बुजुर्ग दादा पर चाकू से वार किया गया, जबकि उनके पोते के साथ मारपीट की गई। फतेहाबाद सदर थाना पुलिस ने रविवार को पीड़ित की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव फूलां निवासी मान सिंह ने बताया कि उनका पोता मौसम उनके पास आया और खेत में गेहूं की फसल कटवाने में मदद मांगी। जब मान सिंह उसके साथ खेत में पहुंचे, तो वहां मौसम के पिता धर्मपाल और बुआ का लडक़ा आत्मप्रकाश पहले से मौजूद थे। आरोप है कि धर्मपाल और आत्मप्रकाश ने मौसम के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उसे वहां से चले जाने को कहा। विवाद के दौरान आत्मप्रकाश ने कथित तौर पर धर्मपाल को चाकू देते हुए हमला करने के लिए उकसाया। जब धर्मपाल अपने बेटे मौसम पर हमला करने लगा, तो बुजुर्ग मान सिंह ने बीच-बचाव की कोशिश की। मान सिंह का आरोप है कि उन्हें धक्का देकर दूर गिरा दिया गया और जब उन्होंने दोबारा अपने पोते को छुड़ाने का प्रयास किया, तो धर्मपाल ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में मान सिंह के हाथ पर गहरी चोट लगी और काफी खून बहने लगा। हमले के बाद किसी तरह जान बचाकर मौसम अपने घायल दादा को गाड़ी में बैठाकर फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल ले गया। मान सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, हालांकि परिजन उन्हें एक निजी अस्पताल में ले गए जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मान सिंह के बयान के आधार पर धर्मपाल और आत्मप्रकाश के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गोहाना में पानी संकट पर महिलाओं ने किया रोष प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। गोहाना की देवीलाल कॉलोनी में पीने के पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने रविवार को जिला पार्षद संजय बड़वासनिया के नेतृत्व में मटका फोड़ प्रदर्शन किया। महिलाएं खाली बाल्टियां लेकर जन स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ सड़कों पर उतरीं और प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि कॉलोनी में खारा पानी आने के कारण लोगों को दूर-दराज क्षेत्रों से सिर पर पानी ढोकर लाना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। गर्मी बढ़ते ही पानी की किल्लत और गंभीर हो जाती है। जिला पार्षद ने बताया कि पहले भी नगर निगम आयुक्त को शिकायत दी गई थी और समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन मिला था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कॉलोनी निवासी कई वर्षों से पीने के पानी और सीवर लाइन की मांग कर रहे हैं। बारिश के दिनों में जल निकासी का कोई प्रबंध नहीं होने से घरों में पानी भर जाता है और रास्ते बंद हो जाते हैं, जिससे लोगों का जीवन नारकीय बन जाता है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने सरकार व प्रशासन से जल्द पानी आपूर्ति और सीवर व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान माया, रचना, पिंकी, नरेश, रानी, गीता, मानते, पायल, सुरेश, कुलदीप और सुमित सहित कई निवासी मौजूद रहे।

फतेहाबाद : बेकाबू कार ने महिलाओं को मारी टक्कर, एक की मौत, एक गंभीर घायल

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। नेशनल हाईवे नौ पर स्थित गांव गिलाखेड़ा के पास एक तेज रफ्तार कार द्वारा दो महिलाओं को टक्कर मारने के मामले में सदर थाना पुलिस ने रविवार को आरोपी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला की जान चली गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल है। पुलिस कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है। पुलिस को दिए बयान में गांव गिलाखेड़ा निवासी घायल मैना देवी ने बताया कि वह अपने पति साधुराम और पड़ोसी बनारसी देवी के साथ सिरसा के गांव सिकंदरपुर से आंखों की दवाई लेकर वापस लौट रही थीं। शाम के समय जब वे ऑटो से उतरकर गिलाखेड़ा कट के पास सडक़ पार करने लगीं, तभी सिरसा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति इतनी तेज थी कि महिलाओं को टक्कर मारने के बाद वह डिवाइडर से टकराकर पलट गई और सडक़ के दूसरी तरफ जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद मैना देवी के पति ने राहगीरों की मदद से एंबुलेंस बुलाई और दोनों घायलों को फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बनारसी देवी को मृत घोषित कर दिया, जबकि मैना देवी के सिर और टांग में गंभीर चोटें होने के कारण उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि घायल महिला के बयान के आधार पर भिवानी नंबर की कार के चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दे रही है।

हाईटेंशन लाइन से तार चोरी करते करंट की चपेट में आए दो बदमाश, एक की मौत, दूसरा गंभीर

लोकतंत्र की शान : भरतपुर। भरतपुर जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र में हाईटेंशन बिजली लाइन से तार चोरी करने के दौरान करंट लगने से एक बदमाश की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। घायल को पहले आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसकी हालत नाजुक होने पर जयपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार 33 केवी बिजली लाइन पर तार काटने के प्रयास के दौरान यह हादसा हुआ। रविवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने बिजली लाइन पर एक व्यक्ति का शव लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बिजली आपूर्ति बंद कराकर करीब सात घंटे बाद शव को नीचे उतरवाया।

निर्माण कार्य में जरा भी लापरवाही नहीं चलेगी -विकास मिश्रा

» कलेक्टर ने किया रामपुर नैकिन सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम तब देखने को मिला, जब कलेक्टर विकास मिश्रा ने रामपुर नैकिन स्थित निर्माणाधीन सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। रविवार सुबह हुए इस निरीक्षण ने निर्माण कार्य में जुटी एजेंसियों और अधिकारियों के बीच हड़कंप मचा दिया। वही निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सीधे निर्माण स्थल पर पहुंचे और सबसे पहले अस्पताल के नक्शे का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भवन का निर्माण पूरी तरह स्वीकृत नक्शे और निर्धारित मानकों के अनुसार ही किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्माण में उपयोग हो रहे मटेरियल जैसे गिट्टी, सीमेंट, रेत सहित अन्य सामग्रियों की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी सामग्री तय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही उपयोग में लाई जाए। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया जा रहा है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। इस निरीक्षण के दौरान पीआईयू के कार्यपालन यंत्री कौशल परते को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य को समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए और कार्य की गति में तेजी लाई जाए। साथ ही गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो। वही इस दौरान कार्यपालन यंत्री कौशल परते ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित कर दिया गया है कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

11 हजार हाईटेंशन लाइन से गिरी चिनगारी, दुकान खाक

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी । जिले के चुरहट थानांतर्गत ग्राम चिलरी कला में रविवार सुबह करीब 11 बजे 11 हजार हाईटेंशन लाइन से गिरी चिनगारी में एक दुकान खाक हो गई। पीड़ित मोतीलाल पटेल के मुताबिक उनकी किराना, सब्जी और कोल्डड्रिंक की दुकान में अचानक आग भड़क उठी और लाखों रुपए का सामान खाक हो गया। मोतीलाल पटेल ने बताया कि उनकी दुकान रेलवे निर्माण कार्य के पास, मोड़ के किनारे स्थित थी, जहां आसपास लोगों की आवाजाही भी बनी रहती है। ऊपर से गुजरी बिजली विभाग की 11 हजार वोल्ट की लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और एक बड़ी चिंगारी नीचे गिरी। शुरुआत में किसी को अंदाजा नहीं हुआ लेकिन कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया। उन्होंने कहा कि आग इतनी तेजी से फैली कि संभलने का मौका तक नहीं मिला। दुकान में रखा किराना सामान, सब्जियां, कोल्डड्रिंक और हाल ही में खरीदा गया नया फ्रिज सब कुछ जलकर पूरी तरह नष्ट हो

गया। अनुमान के अनुसार करीब 5 से 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ित मोतीलाल पटेल ने यह भी बताया कि आग सिर्फ दुकान तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि आसपास के एक-दो खेतों में खड़ी किसानों की फसल भी इसकी चपेट में आ गई, जिससे किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

भांजी से रेप में 'मामी' का खौफनाक रोल! गर्भवती हुई नाबालिग तो कराया गर्भपात, अब पुलिस ने सिखाया सबक

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

शाहजहाँपुर। रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर आपकी रूह कांप जाएगी। थाना सदर बाजार पुलिस ने एक ऐसी महिला को गिरफ्तार किया है, जिसने अपनी ही नाबालिग भांजी की जिंदगी नर्क बनाने में मुख्य आरोपी का साथ दिया।

प्रेमजाल, शोषण और फिर धोखा-मामला बीती 14 फरवरी का है, जब एक नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फंसाकर उसका शारीरिक शोषण किया गया। दरिंदगी की हद तो तब पार हो गई जब लड़की गर्भवती हो गई और आरोपियों ने जबरन उसका गर्भपात (Abortion) करा दिया। इस घिनौने खेल में मुख्य आरोपी का साथ देने वाली सह-अभियुक्ता मेघा चौधरी पुलिस की रडार पर थी। शाहजहाँपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत सदर बाजार पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। मुखबिर की सटीक सूचना पर महिला उप-निरीक्षक

साक्षी चौधरी की टीम ने घेराबंदी की और एमनजई जलालनगर से अभियुक्ता मेघा को उसके घर के बाहर से दबोच लिया। पुलिस ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए BNS की धारा 64(2)(m), 89, 61(2), 351(3) और पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तार महिला को विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

तालाब में दिखा मगरमच्छ, ग्रामीणों में दहशत

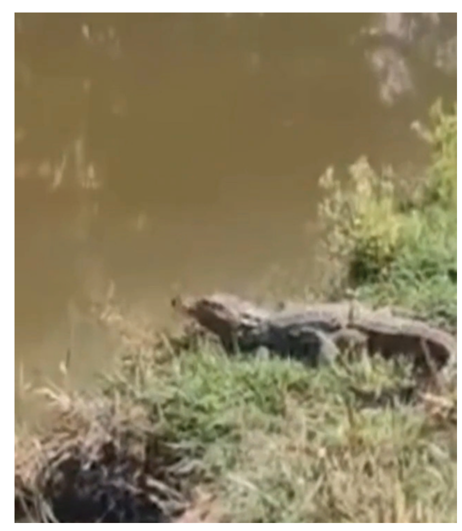

अमिलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गेरूआ का मामला

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के सिहावल जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गेरुआ में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक बड़े तालाबनुमा खाई के पास मगरमच्छ दिखाई देने से पूरे गांव में डर का माहौल बन गया। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे यह घटना सामने आई, जिसके बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोग अपने मवेशियों व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए। वही गांव के पुष्पेंद्र साकेत ने बताया कि वह रोज की तरह अपने मवेशियों को चराने के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान जब मवेशी पानी पीने के लिए तालाब के पास पहुंचे, तो वे अचानक घबराकर भागने लगे। इस असामान्य व्यवहार को देखकर जब उन्होंने पास जाकर देखा, तो पानी के किनारे एक मगरमच्छ बैठा हुआ दिखाई दिया। यह नजारा देखकर वे हैरान रह गए और तुरंत गांव में सूचना दी। इसकी सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और मगरमच्छ को देखकर भयभीत हो उठे। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी इस क्षेत्र में मगरमच्छ देखे जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके वन विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

मगरमच्छ का रेस्क्यू करने की गुजारिश

गेरुआ गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द मौके पर सोन घड़ियाल टीम भेजकर मगरमच्छ का रेस्क्यू किया जाए, ताकि किसी बड़ी घटना से बचा जा सके। वहीं इस पूरे मामले में संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र के डीएफओ राजेश कन्ना टी का कहना है कि उन्हें अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और टीम को मौके पर भेजकर मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जाएगा।

टाटा कॉलेज सीधी में सांस्कृतिक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। टाटा कॉलेज सीधी में वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय के संयोजन में सांस्कृतिक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 2025-26 का भव्य आयोजन 11/04/2026 को माँ वीणा वादिनी के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ स्वामी विवेकानंद सभागार में प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया।<कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के प्रबंध निदेशक इंजीनियर आर.बी. सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सिद्धभूमि इंटरनेशनल स्कूल पनवार बघेलान की संचालिका श्रीमती रचना राजे सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे इंजीनियर आर.बी. सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि आप ही इस देश के भविष्य हैं। आपके सपने, आपकी मेहनत और आपका आत्मविश्वास ही हमारे भारत को आगे ले जाएगा। आज आपने मंच पर जो प्रतिभा, उत्साह और अनुशासन दिखाया है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। आप इसी तरह से निरंतर प्रयास करते रहेंगे तो निश्चित ही आप अपने जीवन के सभी उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे, महाविद्यालय परिवार हमेशा आपके साथ खड़ा है। इसके साथ ही सीईओ डॉ. अतुल द्विवेदी, प्राचार्य राघवेन्द्र द्विवेदी, एकेडमिक डीन सौरभ सिंह, टीआईटी प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह एवं वरिष्ठ लाइब्रेरियन एवं केंद्राध्यक्ष बी.एल. सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेश वर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सुश्री अनुपमा तिवारी के निर्देशन में किया गया, जो अत्यंत सराहनीय रहा। मंच संचालन सुश्री खुशी सिंह एवं श्री संत कुमार वर्मा द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया। कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, स्टाफ सदस्य एवं विभिन्न समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन वाणिज्य विभागाध्यक्ष श्री अंजनी तिवारी एवं प्रबंध विभागाध्यक्ष विकास सिंह द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी सभी का मार्गदर्शन एवं सहयोग इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का मनोबल निरंतर बढ़ता रहेगा।

रणथंभौर में बाघिन दुर्गा और तीन शावकों ने किया नीलगाय का शिकार

लोकतंत्र की शान

सवाई माधोपुर। रणथंभौर टाइगर रिजर्व में रविवार सुबह पर्यटकों को एक बेहद रोमांचक और दुर्लभ दृश्य देखने को मिला। जोन नंबर-4 में बाघिन टी-2307 'दुर्गा' अपने तीन शावकों के साथ नीलगाय का शिकार करती और उसे खाते हुए नजर आई। अचानक बाघिन के पूरे कुनबे को एक साथ देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे। कुछ क्षणों के लिए तो उनकी सांसें थम गईं, लेकिन बाद में इस अद्भुत नजारे को उन्होंने अपने कैमरों में कैद कर लिया। बैरदा वन क्षेत्र में पर्यटकों ने देखा कि बाघिन दुर्गा अपने तीनों शावकों के साथ पानी के पास बैठकर नीलगाय के शिकार का लुत्फ उठा रही थी। चारों एक साथ शिकार खाते नजर आए, जो वन्यजीव प्रेमियों के लिए बेहद खास पल रहा। करीब चार साल की बाघिन दुर्गा, बाघ टी-121 और बाघिन टी-111 (शक्ति) की संतान है। हाल ही में उसने पहली बार तीन शावकों को जन्म दिया है और अब

उन्हें जंगल में शिकार करने की ट्रेनिंग दे रही है।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही उसकी मां बाघिन शक्ति को मगरमच्छ के बच्चे का शिकार करते हुए भी देखा गया था।इस रोमांचक दृश्य को देखकर सफारी पर गए पर्यटक बेहद उत्साहित नजर आए। वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह अनुभव जीवनभर यादगार बन गया। रणथंभौर में इस तरह के नजारे न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि जंगल के प्राकृतिक जीवनचक्र और बाघों के व्यवहार को करीब से समझने का भी अवसर प्रदान करते हैं।

पंजाब विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सोमवार को, सरकार पास करेगी बेअदबी कानून

लोकतंत्र की शान

चंडीगढ़। पंजाब में पूर्व अकाली सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई बेअदबी की घटनाओं का मुद्दा एक बार फिर से उठ गया है। पंजाब सरकार सोमवार को बैसाखी के अवसर पर पंजाब विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाकर बेअदबी के विरूद्ध नया कानून पास करने जा रही है। नए कानून को जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार बिल 2026 का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में नए विधेयक को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने वालों को कड़ी सजा देना है, जिसमें आजीवन कारावास (उम्रकैद) और 5 लाख से 25 लाख तक का जुर्माना शामिल है।प्रस्तावित नए कानून के अनुसार बेअदबी के दोषी पाए जाने वालों को न्यूनतम 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों की जांच अब डीएसपी स्तर से नीचे का अधिकारी नहीं कर पाएगा, जिससे जांच में पारदर्शिता और मजबूती आए। सोमवार को विधानसभा में पेश होने वाले विधेयक पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पेश किए जा रहे इस बिल को लेकर स्पष्टता की कमी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ मंत्री इसे पूरी तरह नया बिल बता रहे हैं, जबकि दूसरी ओर इसका नाम पहले से मौजूद 2008 के एक्ट से मिलता-जुलता है। ऐसे में यह समझना मुश्किल हो रहा है कि सरकार पुराने कानून में संशोधन कर रही है या फिर बेअदबी के मामलों को लेकर नया कानून बना रही है।

सीतापुरः सदरपुर थाना प्रभारी पर भ्रष्टाचार का आरोप, सात दिन में दो पीड़ितों ने की शिकायत

लोकतंत्र की शान , अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

महमूदाबाद सीतापुर। जनपद के सदरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीते सात दिनों के भीतर दो अलग-अलग पीड़ितों ने थाना प्रभारी (थानाध्यक्ष) पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक (SP) से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ितों का कहना है कि यदि उन्हें पुलिस प्रशासन से न्याय नहीं मिला, तो वे न्यायालय की शरण लेंगे।

मुख्य मामले और आरोपः

1. दीवार तोड़ने के मामले में रिश्वत की मांग-पूंजीखेड़ा निवासी कालिका प्रसाद ने आरोप लगाया कि 2 अप्रैल को गांव के ही कुछ दबंगों

ने उनके घर की दीवार तोड़ दी थी। जब वे शिकायत लेकर थाने पहुंचे, तो थानाध्यक्ष मुकेश वर्मा और दीवान अशर्फीलाल ने काम करने के बदले 30 हजार रुपये की मांग की। पैसे देने में असमर्थता जताने पर पीड़ित के साथ मारपीट की गई। शनिवार को पुलिस ने पीड़ित के बेटे को भी थाने में बैठा लिया, जिससे परिवार में आक्रोश है।

2. जमीन विवाद और अवैध वसूली-मलिकापुर निवासी प्रेमा देवी ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी खरीदी हुई जमीन पर पड़ोसी द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा था। आरोप है कि इस मामले में फैसला कराने के नाम पर थानाध्यक्ष ने उनसे 25 हजार रुपये की रिश्वत ली।

3. सरकारी जमीन पर पुनः कब्जे का प्रयास-जंहीगीराबाद क्षेत्र में तहसील प्रशासन द्वारा खाली कराई गई भूमि पर पुलिस की मिलीभगत से दोबारा अवैध कब्जा करने का मामला भी सामने आया है। पीड़ित आसिफ ने मुख्यमंत्री और उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर पुलिस पर अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं।

प्रशासन का रुख- इस पूरे मामले पर महमूदाबाद के क्षेत्राधिकारी (CO) वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बतायाः "पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्रों की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक और सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी बाकी ऊपर कप्तान साहब के मामला संज्ञान मे है जैसा भी होगा कप्तान साहब खुद कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे

संक्षिप्त समाचार

नेपाल ने संयुक्त राष्ट्र में बहुपक्षवाद की प्रतिबद्धता दोहराई

काठमांडू। नेपाल सरकार ने दोहराया है कि देश हमेशा बहुपक्षवाद के प्रति दृढ़ रूप से प्रतिबद्ध रहा है। वैश्विक समुदाय के समक्ष अंतरराष्ट्रीय एकजुटता के प्रति नेपाल ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में नेपाल के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में नेपाल ने वैश्विक शांति स्थापना में अपने दीर्घकालिक योगदान को उजागर किया। इस कार्यक्रम ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में नेपाल सेना की लगातार 68 वर्षों की सेवा को भी चिह्नित किया। यूएन में नेपाल मिशन ने कहा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का समाधान संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर बहुपक्षवाद को मजबूत करने से ही संभव है। संयुक्त राष्ट्र में नेपाल के स्थायी प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा ने कहा कि नेपाली सेना वैश्विक शांति और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 1,60,000 से अधिक नेपाली शांति सैनिक विभिन्न संयुक्त राष्ट्र मिशनों में सेवा दे चुके हैं, जो बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति नेपाल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव ज्यां-पियरे लैक्रोआ ने नेपाली शांति सैनिकों की समर्पण भावना और पेशेवरता की सराहना की और वैश्विक शांति अभियानों में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र में विभिन्न देशों के राजदूत, राजनयिक, सैन्य एवं पुलिस सलाहकार, वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र अधिकारी, नेपाल के मित्र तथा पूर्व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी, 28 अगस्त को खत्म होगी, 15 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा। LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, ICICI बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहेंगे।

आशा भोसले के निधन को दिल्ली विस अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने शोक जताया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्रियों ने विख्यात पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन को भारतीय संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। आशा भोसले का आज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने शोक संदेश में कहा कि आशा भोसले ने अपने गौरवशाली संगीत जीवन में 12,000 से अधिक गीतों को मधुर आवाज दी। उनके गीत न केवल भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनकी सुरीली और बहुआयामी आवाज ने दशकों तक संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज किया और देश की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि संगीत का वह स्वर्णिम स्वर आज मौन हो गया, जिसने पीढ़ियों को जोड़ा और हर भावना को सुरों में ढाल दिया। आशा ताई की आवाज में जैसे जिंदगी मुस्कुराती थी, हर गीत में एक कहानी थी, जो समय से आगे निकल जाती थी। उन्होंने कहा कि उनका जाना एक स्वर्णिम युग के विराम जैसा है, लेकिन उनकी साधना आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आशा भोसले की मधुर आवाज और अद्वितीय गायन शैली ने दशकों तक करोड़ों दिलों पर राज किया और भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका योगदान सदैव अमर रहेगा और वे अपनी कला के माध्यम से हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगी। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि भारतीय संगीत जगत की महान विभूति, मधुर स्वर और अनुपम गायकी से करोड़ों हृदयों को स्पर्श करने वाली आशा भोसले का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनका निधन एक युग का अंत है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सुरों की वो अनमोल धरोहर आज खामोश हो गई, जिसकी मधुर आवाज ने हर दौर को अपनी पहचान दी। आशा भोसले का निधन भारतीय संगीत जगत के लिए अत्यंत दुःखद और अपूरणीय क्षति है। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि आज स्वर की एक अमर धरोहर हमसे विदा हो गई। उनकी मधुर आवाज केवल संगीत नहीं, बल्कि करोड़ों दिलों की भावनाओं की अभिव्यक्ति थी। पीढ़ियां बदलती रहीं लेकिन उनका सुर हर दौर में जीवित रहा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भावुक धुनों से लेकर जोशीले क्लासिक गीतों तक, उन्होंने अपने गायन से हर गीत में जान डाल दी। भारतीय संगीत में उनका योगदान हमारे दिलों में हमेशा बसा रहेगा।

खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े मुद्दों पर अपनी आपत्तियां और मांगें रखी हैं। उन्होंने संसद के विशेष सत्र बुलाने के फैसले पर भी सवाल उठाए हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री को शनिवार रात लिखे पत्र में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से पारित किया था और उस समय इसे तत्काल लागू करने की मांग की गई थी। व्यापक सहमति के बावजूद सरकार ने इसे लागू नहीं किया। अब करीब 30 महीने बाद बिना पर्याप्त जानकारी साझा किए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है, जिससे सार्थक चर्चा संभव नहीं होगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने परिसीमन और अन्य अहम पहलुओं पर विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि 29 अप्रैल के बाद, जब वर्तमान चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी, तब सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, ताकि सभी दलों के साथ व्यापक चर्चा हो सके। बिना स्पष्ट विवरण के किसी भी संवैधानिक संशोधन पर चर्चा अधूरी रहेगी। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि राज्यों के चुनाव के दौरान विशेष सत्र बुलाना राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास प्रतीत होता है। उन्होंने सरकार के पिछले फैसलों जैसे नोटबंदी, जीएसटी, जनगणना और संघीय ढांचे से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि इन मामलों में सरकार का रिकॉर्ड भरोसा पैदा नहीं करता। लोकतंत्र में सभी राज्यों और दलों को समान रूप से सुना जाना चाहिए।

तुष्टीकरण नहीं, विकास और सुरक्षा चाहिए, पश्चिम बंगाल में परिवर्तन तय

एजेंसी, बांकुड़ा/पूर्व मेदिनीपुर

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य के बांकुड़ा और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए जनता से सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने सोनामुखी और नंदकुमार विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित रैलियों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों, सोनामुखी से दिवाकर घरामी और नंदकुमार से निर्मल खांड़ा के समर्थन में प्रचार किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब विकास, सुरक्षा और सुशासन के लिए बदलाव चाहती है।

अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य की जनता तुष्टीकरण की राजनीति को नकार चुकी है और अब विश्वास, सुरक्षा तथा समग्र विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि "राष्ट्रवाद की भूमि" पश्चिम बंगाल में अब 'खेला' की राजनीति समाप्त होगी और विकास की नई शुरुआत होगी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में प्रदेश में अराजकता, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन समस्याओं का समाधान केवल भाजपा की "डबल इंजन" सरकार ही कर सकती है। सोनामुखी में जनसमर्थन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की जनता का उत्साह इस बात का संकेत है कि राज्य में "कमल" खिलने वाला है। उन्होंने कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं, जो आस्था, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वहां "न कर्फ्यू, न दंगा" की स्थिति है और माफिया व अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जहां भी होती है, वहां कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और विकास के नए अवसर पैदा होते हैं। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हाल ही में एक दलित हिंदू की हत्या का मुद्दा उठाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर राज्य सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाषा और संस्कृति के नाम पर कठोर राजनीति नहीं चलने दी जाएगी और देशद्रोही ताकतों के मंसूबों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा का भरोसा दिलाते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में बंगाल तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और अराजकता का केंद्र बन गया है, लेकिन अब जनता परिवर्तन के लिए तैयार है और आने वाले चुनाव में इसका परिणाम देखने को मिलेगा।

स्टालिन की भ्रष्टाचारी और अक्षम सरकार को हटाने के लिए तैयार हैं तमिलवासी

एजेंसी, मदुरै

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री स्टालिन की भ्रष्टाचारी और अक्षम सरकार को तमिलनाडु के लोग हटाने के लिए तैयार हैं। तमिलनाडु बदलाव चाहता है। एनडीए सरकार बनाकर यहां का भविष्य को बदलेंगे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल रविवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। गोयल मदुरै में आयोजित भाजपा के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चेन्नई से विमान से पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि वे मदुरै दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में डॉ. प्रोफेसर श्रीनिवासन के समर्थन में प्रचार करने के लिए करने आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर श्रीनिवासन मदुरै का भविष्य को बदलने में सक्षम एक उत्कृष्ट शिक्षाविद हैं। उन्होंने कहा कि एडप्पडी पलानीस्वामी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस चुनाव में भारी जीत हासिल कर स्वर्गीय जयललिता के तमिलनाडु के उत्कृष्ट शासन को फिर से लाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में एमके स्टालिन की भ्रष्टाचारी व अक्षम सरकार को तमिलनाडु के लोग हराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में टीएएसएमसी, बिजली बोर्ड, अनुबंध, टेंडर, पदस्थापन—हर जगह भ्रष्टाचार है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पैसा दिए बिना नौकरी के अवसर भी नहीं मिल रहे हैं। स्टालिन की आड़ में भूमि माफिया और रेत माफिया तमिलनाडु पर शासन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में डीएमके की ओर से अगले मुख्यमंत्री उम्मीदवार उदयनिधि स्टालिन के विचारों से तमिलनाडु की संस्कृति और गौरव बहुत आहत हुई हैं। तमिलनाडु के लोग कभी भी उदयनिधि स्टालिन को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

तमिल संस्कृति, तमिल महिलाओं और लोगों की भावनाओं का सम्मान न करने वाले व्यक्ति को राज्य के लोग कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

13 साल से फरार नक्सली संगठन का सक्रिय सदस्य झारखंड से गिरफ्तार

एजेंसी, बलरामपुर

छत्तीसगढ़ की बलरामपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सामरीपाठ थाना क्षेत्र के बहुचर्चित मामले में 13 वर्षों से फरार चल रहे नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्य और स्थायी वारंटी को पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

बलरामपुर पुलिस के रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिले के थाना सामरीपाठ पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मुन्ना कोरवा (33 वर्ष), निवासी टेढ़ी, थाना भंडरिया, जिला लातेहार (झारखंड) है, जो नक्सली संगठन का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2012 में हुए एक गंभीर आपराधिक मामले में आरोपित के खिलाफ थाना सामरीपाठ में अपराध क्रमांक 02/2012 के तहत धारा 147, 148, 149, 342, 395, 307, 232, 120(बी) भादवि एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, घटना 9-10 फरवरी 2012 की है, जब नक्सलियों ने एक युवक का अपहरण कर उसे जंगल में ले जाकर मारपीट की। इस दौरान नक्सली संगठन के सदस्य इकबाल यादव के कहने पर आरोपित ने पीड़ित की हत्या की नीयत से गोली चलाई, हालांकि पीड़ित किसी तरह मौके से भागने में सफल रहा। इस मामले में पुलिस ने आरोपित को पूर्व में जांच पूरी कर न्यायालय में चालान पेश किया था, लेकिन आरोपित रिहाई के बाद लगातार फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया गया था।

हंगरी में संसदीय चुनाव के लिए मतदान जारी, सर्वे में प्रधानमंत्री ओर्मान को पीटर दे रहे कड़ी टक्कर

एजेंसी, बुडापेस्ट

हंगरी में संसदीय चुनाव के लिए आज सुबह छह बजे (भारतीय समय अनुसार पूर्वाह्न 9:30 बजे) मतदान शुरू हो गया है। इस चुनाव ने वैश्विक भू-राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। 16 वर्ष से सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान को विपक्षी पार्टी तिसा के नेता पीटर माग्यार कड़ी टक्कर दे रहे हैं। मतदान शाम सात बजे समाप्त होगा।

सीबीएस न्यूज के अनुसार,संसदीय चुनाव के अमेरिकी हस्तक्षेप के बीच हो रहे हैं। इससे यूरोपीय संघ की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मतदान से पहले ही विक्टर ओर्बान को हंगरी अगला प्रधानमंत्री घोषित कर दिया है। अमेरिका को डर सता रहा है कि यूरोपीय संघ से बढ़ते टकराव के बीच ओर्बान की हार हंगरी को रूसी खेमे में धकेल सकता है।

ओर्बान यूरोपीय संघ की शरणार्थी नीति के कट्टर विरोधी हैं। डोनल्ड ट्रंप और विक्टर ऑर्बान दोनों ही कंजरवेटिव विचारधारा के समर्थक हैं। चुनाव सर्वे में विपक्षी नेता पीटर माग्यार को बढ़त के संकेत मिलने से मुकाबला कड़ा हो गया है। द बुडापोस्ट टाइम्स अखबार के अनुसार, प्रधानमंत्री ओर्बान ने मतदान से पूर्व एक रैली में कहा कि इस बार के चुनाव में देश से बाहर रहने वाले हंगेरियन लोगों का भविष्य दांव पर लगा हुआ। उन्होंने कहा कि इन समुदायों के हितों की रक्षा के लिए उन्हें एक मजबूत सरकार की जरूरत है। प्रधानमंत्री ओर्बान ने दावा किया कि इस बार भी जनता उन्हें अपना अटूट समर्थन देगी।

उन्होंने यूक्रेन से जुड़ी वित्तीय प्रतिबद्धता के प्रति आगाह करते हुए कहा कि यूरोपीय संघ की योजनाओं में यूक्रेन को मदद देने के लिए कर्ज लेना शामिल है, जिसे अंततः सदस्य देशों को ही चुकाना होगा। उन्होंने दृढ़ता से कहा, "यह साफ है कि यह कर्ज नहीं चुकाया जाएगा, इसलिए इसका बोझ सदस्य देशों पर ही पड़ेगा। हंगरी को ऐसी व्यवस्था अस्वीकार है।" प्रधानमंत्री ने युद्ध की शुरुआत में देश की प्रतिक्रिया को भी याद किया। उन्होंने कहा, "हमने अपनी सीमाएं खोल दीं। हमने जरूरतमंदों की मदद की। हम ईश्वर की नजरों में पाक-साफ़ हैं। वे हमसे यह नहीं कह सकते कि हम उनकी खातिर हंगरी को तबाह कर दें।"

उन्होंने आगाह किया कि सस्ती रूसी ऊर्जा तक पहुंच खत्म होने से ईंधन की सुरक्षित कीमतों और यूटिलिटी खर्च में कटौती को खतरा पैदा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी नीतियों से हंगरी के परिवारों पर भारी बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि टैक्स में छूट और लोन योजना उनके अगले कार्यकाल में भी जारी रहेंगी। प्रधानमंत्री ओर्बान ने कहा, "हंगरी को सुरक्षित रखने के लिए हमें तीस लाख वोटों की जरूरत है।"

प.बंगाल में एसआईआर- सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई, वोटर लिस्ट से 91 लाख नाम कटे थे

23 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को SIR पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में SIR प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए SIR की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

बंगाल में 11.85% नाम हटे: पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए।

बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे।

चुनवा आयोग और TMC के बीच मतभेद: 8 अप्रैल को सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में TMC का प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा था। लेकिन बैठक के बाद डेरेक ने कहा कि हमने SIR के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने CEC को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे।

बिहार से ट्रेन में महाराष्ट्र ले जाए जा रहे थे 167 मुस्लिम बच्चे

एजेंसी, कटनी

बिहार से महाराष्ट्र जा रही पटना-पुणे एक्सप्रेस से शनिवार देर रात 167 मुस्लिम बच्चों को मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर रेस्क्यू किया गया। खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के बाद मानव तस्करी की आशंका जताई जा रही है। बाल कल्याण समिति और रेल पुलिस ने बच्चों को बाल सुरक्षा गृह में ठहराया है और मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, शनिवार देर रात को महिला बाल विकास विभाग और आरपीएफ को सामाजिक संगठन से सूचना मिली कि पटना-पुणे ट्रेन से बड़ी संख्या में 7 से 15 वर्ष के बच्चों को महाराष्ट्र ले जाया रहा है और मानव तस्करी की आशंका है। मामला की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपीएफ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी और बाल सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्रेन के कटनी स्टेशन पहुंचते ही, सभी बच्चों को ट्रेन से नीचे उतारकर अपनी निगरानी में लिया। ट्रेन से 167 बच्चे उतारे गए और उनकी काउंसलिंग की गई।

कटनी आरपीएफ थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने रविवार को बताया कि जानकारी मिली थी कि पटना-पुणे एक्सप्रेस में बड़ी संख्या में बच्चों को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाया जा रहा है। ट्रेन के कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंचते ही आरपीएफ, जीआरपी, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण अधिकारियों की संयुक्त टीम ने उसकी घेराबंदी कर ली। इसके बाद टीम ने बोगियों से सभी 167 बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा। रेस्क्यू किए गए बच्चे ट्रेन के एस-1, एस-2, एस-3, एस-4 और एस-7 कोच में सवार थे। पूछताछ में सामने आया है कि अधिकांश बच्चे बिहार के रहने वाले हैं।

आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने बताया कि वह इन बच्चों को बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर स्थित मदरसे ले जा रहा था। उसके साथ 100 बच्चों का ग्रुप है, जबकि बाकी बच्चों को अन्य लोग लेकर जा रहे थे। खुद को लातूर मदरसे का शिक्षक बताने वाले सद्दाम का दावा है कि वह 10 साल से बच्चों को वहां ले जा रहा है।

मप्र के खंडवा में राज्य कर ऑफिस में लगी आग, पूरी बिल्डिंग राख

एजेंसी, खंडवा

मध्य प्रदेश के खंडवा शहर में रविवार दोपहर जिला जेल के सामने स्थित सेल्स टैक्स (राज्य कर) कार्यालय में अचानक जबरदस्त आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में बिल्डिंग में रखे करोड़ों के रिकॉर्ड जलकर राख हो गए। रविवार दोपहर करीब 2 बजे स्थानीय रहवासियों ने दफ्तर से धुआं और आग की लपटें उठती देख तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही सबसे पहले कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीमों को भी अलर्ट किया गया, लेकिन तब तक आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दफ्तर के महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर और फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद करीब आधे घंटे के भीतर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोग भी इस दौरान मदद में जुटे रहे। लंबे प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका, लेकिन तब तक इमारत के अंदर का अधिकांश हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। चूंकि रविवार का अवकाश होने के कारण दफ्तर के अंदर कोई कर्मचारी या अधिकारी मौजूद नहीं था। इस कारण एक बड़ा जनहानि का हादसा टल गया, लेकिन आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान बेहद गंभीर बताया जा रहा है।

कांग्रेस बोली-सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती

जयराम रमेश ने कहा- महिला आरक्षण में बदलाव से देश को गुमराह किया जा रहा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334-A में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है। सरकार का असल मकसद जाति जनगणना नहीं कराना है। अनुच्छेद 334-A में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है। सरकार अब इसे अलग करने की कोशिश कर रही है, ताकि इसे जल्द लागू किया जा सके।

महिला आरक्षण बिल के लिए 3 दिन का विशेष सत्रः जयराम रमेश का बयान ऐसे समय आया है, जब 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र प्रस्तावित है। इसमें महिला आरक्षण कानून लागू करने और लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े बिल लाए जा सकते हैं। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

1 अप्रैल से जनगणना का पहला फेज शुरू हुआः जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से शुरू हुआ। यह 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। जनगणना के पहले फेज में 'हाउस लिस्टिंग' यानी मकानों की गिनती की जा रही है। दूसरा फेज 'जनसंख्या गणना' फरवरी 2027 में होगा। इसमें लोगों से उनकी जाति पूछी जाएगी। आजादी के बाद पहली बार जाति का डेटा जुटाया जाएगा। इससे पहले 1931 में ऐसा हुआ था। पहली बार जनगणना पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से होगी। कर्मचारी मोबाइल ऐप के जरिए डेटा सीधे अपने स्मार्टफोन पर कलेक्ट करेंगे। जनगणना करने वाले आपसे कुल 33 सवाल पूछेंगे।

भारत की सुरसम्राज्ञी का अवसान- आशा भोसले (1933–2026)- एक युग का अंत,एक अमर धरोहर की शुरुआत

लोकतंत्र की शान

» आशा भोसले के निधन के बाद म्यूजिक से लेकर सिनेमा,क्रिकेट और राजनेता भी सभी सिंगर क्रा सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलियों का तांता लगा- पूरा देश शोक में डूबा

» आशा भोसले भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत प्रतीक थीं, सात दशकों से अधिक लंबे अपने करियर में संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, ज़ो भारत ही नहीं वैश्विक संगीत जगत की भी एक अमर शख्सियत बनाता है- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत जगत के लिए 12 अप्रैल 2026 का दिन एक गहरे शोक और ऐतिहासिक क्षति का दिन बन गया,जब सुरों की अद्वितीय जादूगरनी आशा भोसले ने 92 वर्ष की आयु में इस दुनियाँ को अलविदा कह दिया। बताया गया है कि आशा भोसले का अंतिम संस्कार (13 अप्रैल) शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में होगा, जो लोग भी उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, वे सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। आशा भोसले के निधन के बाद म्यूजिक से लेकर सिनेमा,क्रिकेट और राजनेता भी सभी सिंगर को सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त कर रही हैं,मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाली आशा ताई केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत प्रतीक थीं। सात दशकों से अधिक लंबे अपने करियर में उन्होंने जिस तरह से संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, वह उन्हें केवल भारत ही नहीं बल्किवैश्विक संगीत जगत की भी एक अमर शख्सियत बनाता है।उनके निधन की खबर ने न केवल संगीत प्रेमियों बल्कि राजनीतिक, सांस्कृतिक और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी गहरे शोक में डाल दिया। भारत के राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,अमित शाह महाराष्ट्र के राज्यपाल मुख्यमंत्री सहित अनेक नेताओं औरकलाकारों ने उन्हेंश्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत सांसों में बसता था। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत की दुनियाँ में एक स्थापित नाम थीं, और इसी वातावरण ने आशा के भीतर भी संगीत के बीज बोए। मात्र 10 वर्ष की आयु में 1943 में उन्होंने अपने गायन करियर कीशुरुआत कर दी थी, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक यात्रा में परिवर्तित हुआ। प्रारंभिक संघर्षों के बावजूद उन्होंने अपनेअद्वितीय स्वर और बहुमुखी प्रतिभा के दम पर धीरे-धीरे बॉलीवुड और भारतीय संगीत उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई।1950 के दशक में उन्होंने जिस प्रकार अपनी आवाज का जादू बिखेरा, उसने उन्हें संगीत के आकाश का बुलंद चमकता सितारा बना दिया। साथियों बात अगर हम उनके करियर का आरंभिक दौर को समझने की करें तो,वह संघर्षों से भरा था। उन्होंने छोटे बजट की फिल्मों में गाकर अपने लिए जगह बनाई और धीरे-धीरे बड़े निर्देशकों और संगीतकारों का ध्यान आकर्षित किया। बिमल रॉय , राज कपूर जैसे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर उन्हें मिला। संगीतकार ओ . पी .नैयर के साथ उनकी जोड़ी ने कई सुपरहिट गीत दिए, लेकिन 1957 में आई फिल्म नया दौर उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस फिल्म ने उन्हेंमुख्यधारा की सफलता दिलाई और वे भारतीय फिल्म संगीत की अग्रणी गायिकाओं में शामिल हो गईं।आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा थी। उन्होंने केवल पारंपरिक फिल्मी गीत ही नहीं गाए, बल्कि गजल, पॉप, भक्ति, शास्त्रीय और लोक संगीत सहित हर शैली में अपनी अद्भुत पकड़ दिखाई। 1981 में आई फिल्म उमराव जान में उनके द्वारा गाई गई गजलें-दिल चीज क्या है', इन आंखों की मस्ती के, ये क्या जगह है दोस्तों- आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं। इन गीतों ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया और यह साबित किया कि वे केवल एक प्लेबैक सिंगर ही नहीं, बल्कि एक संपूर्ण बहुमुखी की धनी कलाकार थीं। साथियों बात अगर हम आशा भोसले की उपलब्धियों की करें तो उनकी उपलब्धियां केवल भारत तक सीमित नहीं रहीं। आशा भोसले ने अपने करियर में 20 सेअधिक भाषाओं में गीत गाए, जिसके कारण उनका नाम जीनियस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में दर्ज हुआ। उन्होंने संगीत को वैश्विक मंच पर भारतीय पहचान दिलाई।उनके गीतों में भारतीयता की खुशबू के साथ-साथ आधुनिकता की झलक भी देखने को मिलती थी, जिसने उन्हें हर पीढ़ी का प्रिय बना दिया।उनका करियर केवल गायन तक सीमित नहीं रहा। 2013 में उन्होंने फिल्म माई के माध्यम से अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा और अपने अभिनय से आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की।2020 में उन्होंने डिजिटल युग के साथ कदम मिलाते हुए अपना यूट्यूब चैनल भी शुरू किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे समय के साथ खुद को ढालने में भी माहिर थीं। 90 वर्ष की आयु के बाद भी उनका मंच पर प्रदर्शन करना उनकी ऊर्जा और संगीत के प्रति समर्पण को दर्शाता है। 2025 में दुबई में उनका कॉन्सर्ट इस बात का जीवंत प्रमाण था कि उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी। साथियों बात अगर कर हम आशा भोसले का संगीत सफर केवल उपलब्धियों की कहानी नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है इसको समझने की करें तो, उन्होंने हर दौर में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा। 1990 और 2000 के दशक में भी उन्होंने रंगीला,लगान,प्यार तूने क्या किया जैसी फिल्मों में अपनी आवाज देकर यह साबित किया कि वे हर पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाने में सक्षम हैं।ए.आर .रहमान जैसे आधुनिक संगीतकारों के साथ काम करते हुए उन्होंने अपने संगीत को नई दिशा दी।उनके निधन के बाद पूरे देश और दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें सबसे बहुमुखी कलाकार बताते हुए कहा कि उनका जाना केवल एक कलाकार का नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उनके साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को याद करते हुए कहा कि आशा ताई का संगीत के प्रति समर्पण अद्वितीय था। वहीं तेजसथ्वी यादव ने भी इसे संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। साथियों बात अगर हम आशा भोंसले के जीवन से सीखने की करें तो,उनका जीवन यह सिखाता है कि प्रतिभा,परिश्रम और समर्पण से किसी भी क्षेत्र मेंअमरता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने न केवल संगीत को जिया बल्कि उसे अपने अस्तित्व का हिस्सा बना लिया। उनका हर गीत एक कहानी कहता है, हर सुर एक भावना व्यक्त करता है, और हर धुन एक याद बन जाती है।आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब भी उनकी आवाज हमेशा गूंजती रहेगी,रेडियो पर, फिल्मों में, मंचों पर और हर उस दिल में जिसने कभी उनके गीतों को महसूस किया है। उनका निधन एक शारीरिक अंत हो सकता है, लेकिन उनका संगीत अमर है। आने वाली पीढ़ियां उनके गीतों से प्रेरणा लेंगी और उन्हें एक आदर्श के रूप में देखेंगी।आशा भोसले केवल एक नाम नहीं थीं, वे एक युग थीं,एक ऐसा युग जिसने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका जाना एक खालीपन छोड़ गया है, जिसे भर पाना असंभव है। लेकिन उनके गीत, उनकी आवाज और उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी, हमें यह याद दिलाती रहेगी कि सच्चा कलाकार कभी मरता नहीं,वह अपने कला के माध्यम से हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहता है। साथियों बात अगर हम आशा भोसले क़े निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित अनेक नेताओं द्वारा दी गई श्रद्धांजलि की करें तो भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिग्गज गायिका आशा भोंसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे संगीत की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि आशा जी की सुरीली और सदाबहार आवाज ने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया और उनके जाने से संगीत जगत में एक बहुत बड़ा खालीपन आ गया है।भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मुझे महान गायिका आशा भोसले जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। आशा जी अपनी बहुमुखी आवाज से विभिन्न शैलियों में सहजता गा पाई। इससे उन्होंने भावपूर्ण ग़ज़लों और पारंपरिक भजनों में महारत हासिल की और भारतीय संगीत पर एक अमिट छाप छोड़ी।उनकी बेमिसाल आवाज और संगीत की विरासत लाखों लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। ओम शांति।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज आशा भोसले जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक बताया।उन्होंने कहा कि उनकी दशकों कीअसाधारण संगीतमय यात्रा ने देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और विश्व भर में अनगिनत दिलों को छुआ, चाहे उनकी भावपूर्ण धुनें हों या जीवंत रचनाएँ, उनकी आवाज़ में एक शाश्वत दमक थी, और उन्होंने कहा कि उनके साथ हुई मुलाकातों को वे हमेशा संजोकर रखेंगे।उन्होंने उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा कि वे पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत लोगों के जीवन में सदा गूंजते रहेंगे।पीएम ने एक्स पर लिखाःभारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उनकी दशकों की असाधारण संगीतमय यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी भावपूर्ण धुनें हों या जीवंत रचनाएं, उनकी आवाज में एक शाश्वत दमक थी। उनके साथ हुई मुलाकातों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। वे पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।' भारत के गृहमंत्री अमित शाह जी ने कहा आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुःखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं।आशा ताई ने न सिर्फ अपनी मधुर आवाज और अद्वितीय प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई, बल्कि अपने सुरों से भारतीय संगीत को भी और अधिक समृद्ध किया। हर तरह के संगीत में ढल जाने की उनकी अनोखी प्रतिभा हर व्यक्ति का दिल जीत लेती थी। अपनी आवाज से करोड़ों दिलों को छूने वालीं आशा जी ने हिंदी, मराठी, बांग्ला, तमिल, गुजराती सहित अनेक भाषाओं के साथ-साथ लोकगीतों में भी अमिट छाप छोड़ी।आशा ताई की आवाज में जितनी कोमलता थी,उनके व्यवहार में भी उतनी ही सादगी और आत्मीयता थी। उनसे जब भी मुलाकात होती थी, संगीत और कला जैसे अनेक विषयों पर लंबी बातें होती थीं। आज वे भले ही हमारे बीच नहीं हैं, पर अपनी आवाज से वे सदैव हमारे दिलों में रहेंगी।ईश्वर आशा जी को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। उनके परिजनों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। ॐ शांति शांति शांतिपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी आशा भोसले के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि आशा भोसले एक ऐसी गायिका थीं, जिन्होंने अपनी आवाज से पीढ़ियों तक लोगों के दिलों पर राज किया। उनके अनुसार, वह सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी थीं, जिनसे नई पीढ़ी को सीख मिलती रहेगी।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा,भारतीय संगीत जगत की स्वर-सम्राज्ञी,महान सुर- साधिका, पद्म विभूषण आशा भोसले जी का निधन बहुत दुखद और कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उनकी अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां दीं। उनकी मधुर आवाज हमेशा देश वासियों के मन में गूंजती रहेगी। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति और शोकाकुल परिजनों और फैंस को ये अपार दुख सहन करने की शक्ति दे।

-संकलनकर्ता लेखक
- क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय
लेखक चिंतक कवि संगीत
माध्यम सीए (एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

लेखक- डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज़ ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी। सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत "चला चला नव बाल" गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरुआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, ग़ज़ल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। "दम मारो दम" और "पिया तू अब तो आजा" जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी। अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है।

सभ्य ज्ञान परंपरा का सहज माध्यम : रंगमंच

सुमन कुमार

आज का समय अभूतपूर्व गति, चमक-धमक और तकनीकी विस्तार का समय है। हमारी दिनचर्या, हमारी भाषा और हमारी संवेदनाएँ तक डिजिटल माध्यमों के प्रभाव में आकार ले रही हैं। सूचनाओं की बाढ़ है, पर अनुभव का अकाल। संवाद है, पर आत्मीयता का अभाव। ऐसे समय में संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्तियाँ—जो कभी समाज की आत्मा हुआ करती थीं—अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। यह संकट केवल परंपरा के क्षरण का नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर से मनुष्यता के धीरे-धीरे क्षीण होते जाने का भी है। ऐसे परिदृश्य में शिक्षा और संस्कृति के प्राणतत्व को पुनर्स्थापित करने के लिए हमें एक ऐसे माध्यम की आवश्यकता है जो मनुष्य को उसकी संपूर्णता में संबोधित कर सके। रंगमंच उसी आवश्यकता का उत्तर है—और आज यह एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। रंगमंच की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जीवंतता है। यहाँ कोई स्क्रीन नहीं होती, कोई संपादन नहीं होता, कोई कृत्रिम दूरी नहीं होती। अभिनेता और दर्शक एक ही समय और स्थान में एक साझा अनुभव के सहभागी होते हैं। अभिनेता की सांस, उसका पसीना, उसकी आवाज़ और दर्शक की प्रतिक्रिया—सब कुछ एक साथ घटित होता है। यह तात्कालिकता ही रंगमंच को अन्य सभी माध्यमों से अलग और अधिक मानवीय बनाती है। जहाँ फिल्म और डिजिटल माध्यम हमें एक निष्क्रिय उपभोक्ता बना देते हैं, वहीं रंगमंच हमें सक्रिय सहभागी बनाता है। यह हमें केवल देखने के लिए नहीं, महसूस करने और सोचने के लिए बाध्य करता है। यही कारण है कि रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रयोगशाला है। यहाँ समाज अपने ही प्रतिबिंब को देखता है, अपने प्रश्नों से जूझता है और अपने भीतर झांकने का साहस करता है। रंगमंच समाज के प्रति उत्तरदायी होता है, क्योंकि वह सीधे तौर पर लोगों के बीच घटित होता है। वह स्थानीय संवेदनाओं, भाषाओं और अनुभवों से जुड़ा होता है। वह हमें यह सिखाता है कि जीवन केवल निजी नहीं, सामूहिक भी है; और यह कि हमारी पहचान हमारे संबंधों से बनती है। इस अर्थ में रंगमंच सामाजिक पुनर्संरचना का एक सशक्त माध्यम है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस माध्यम में इतनी परिवर्तनकारी शक्ति है, उसे हमारी शिक्षा व्यवस्था में हाशिए पर डाल दिया गया है। स्कूलों में रंगमंच को प्रायः 'अतिरिक्त गतिविधि' के रूप में देखा जाता है—वह भी साल में एक बार होने वाले वार्षिक समारोह तक सीमित। माता-पिता भी इसे बच्चे की 'प्रस्तुति' या 'दिखावे' के रूप में ही लेते हैं। वे मंच पर सजे-धजे बच्चे को देखकर संतुष्ट हो जाते हैं, लेकिन यह नहीं समझते कि रंगमंच वास्तव में बच्चे के भीतर क्या परिवर्तन ला सकता है। यह दृष्टिकोण न केवल सीमित है, बल्कि शिक्षा के मूल उद्देश्य के भी विपरीत है। शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं है। यदि शिक्षा केवल ज्ञान के संचार तक सीमित रह जाए, तो वह कुशल कर्मचारी तो तैयार कर सकती है, लेकिन संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक नहीं। शिक्षा का असली उद्देश्य मनुष्य का निर्माण है—ऐसा मनुष्य जो सोच सके, महसूस कर सके और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझ सके। यह कार्य केवल पुस्तकों और परीक्षाओं के माध्यम से संभव नहीं है। इसके लिए अनुभव की आवश्यकता है, अभिव्यक्ति की आवश्यकता है, और संवाद की आवश्यकता है। रंगमंच इन तीनों को एक साथ संभव करता है। प्राथमिक स्तर पर रंगमंच बच्चे की इंद्रियों को जागृत करता है। वह खेल-खेल में अपनी भावनाओं को व्यक्त करना सीखता है। वह कहानी को केवल सुनता नहीं, उसे जीता है। इससे उसकी कल्पनाशक्ति विकसित होती है, उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और उसकी झिझक दूर होती है। वह समूह में काम करना सीखता है और दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करता है। यह सब कुछ उस उम्र में होता है जब व्यक्तित्व की नींव रखी जा रही होती है। माध्यमिक स्तर पर रंगमंच की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह वह उम्र है जब किशोर अपने भीतर कई प्रकार के शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों से गुजरते हैं। इस समय रंगमंच उन्हें अपने अनुभवों को समझने और व्यक्त करने का एक सुरक्षित और सृजनात्मक मंच प्रदान करता है। वे विभिन्न चरित्रों के माध्यम से समाज के अलग-अलग पहलुओं को देखते और समझते हैं। वे सीखते हैं कि हर व्यक्ति की अपनी पृष्ठभूमि, अपनी परिस्थितियाँ और अपनी संघर्ष कथा होती है। इससे उनके भीतर सहानुभूति और संवेदनशीलता का विकास होता है। उच्च शिक्षा के स्तर पर रंगमंच केवल प्रदर्शन का माध्यम नहीं रह जाता, बल्कि शोध और नवाचार का क्षेत्र बन जाता है। यहाँ छात्र यह समझ सकते हैं कि रंगमंच का समाजशास्त्र, राजनीति, मनोविज्ञान और अर्थशास्त्र से क्या संबंध है। वे यह देख सकते हैं कि लोक परंपराएँ आधुनिक संदर्भ में कैसे प्रासंगिक हो सकती हैं, और यह कि नई तकनीकों के साथ रंगमंच कैसे संवाद स्थापित कर सकता है। इस स्तर पर रंगमंच न केवल कला, बल्कि ज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन जाता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में इस सत्य को बहुत पहले पहचान लिया गया था। नाट्यशास्त्र को 'पंचम वेद' कहा गया, क्योंकि उसमें जीवन के सभी पक्षों—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष—का समावेश है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे यहाँ कला और शिक्षा को कभी अलग नहीं माना गया। लेकिन आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने इस समग्र दृष्टि को खंडित कर दिया है। आज हमें इस दृष्टि को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत दिया है। इसमें कला-एकीकृत शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा के केंद्र में लाने की बात कही गई है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसे केवल नीति दस्तावेज़ तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे वास्तविकता में बदलने के लिए शिक्षकों, संस्थानों और अभिभावकों—सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। रंगमंच को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा, न कि केवल एक सहायक गतिविधि। संस्कृति को जीवित रखने के लिए उसे जीना ही पड़ता है। वह संग्रहालयों और पुस्तकों में सुरक्षित रह सकती है, लेकिन जीवित नहीं रह सकती। संस्कृति तब जीवित रहती है जब वह हमारे व्यवहार, हमारे संवाद और हमारे उत्सवों में अभिव्यक्त होती है। रंगमंच वह स्थान है जहाँ संस्कृति सांस लेती है। वह हमारे अतीत को वर्तमान से जोड़ता है और हमें भविष्य की दिशा दिखाता है। यदि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जो केवल तकनीकी रूप से उन्नत न हो, बल्कि मानवीय भी हो, तो हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में रंगमंच को उसका उचित स्थान देना होगा। यह केवल कला का प्रश्न नहीं है, यह हमारे समाज के मानसिक और सांस्कृतिक स्वास्थ्य का प्रश्न है। अब समय आ गया है कि हम रंगमंच को 'सालाना तमाशा' मानना बंद करें और उसे शिक्षा और संस्कृति के उस अनिवार्य स्तंभ के रूप में स्वीकार करें, जो एक बच्चे को नागरिक और एक नागरिक को मनुष्य बनाता है।

ये भी शीर्षक हो सकता है
शिक्षा और संस्कृति का प्राणतत्वः रंगमंच की अनिवार्यता

एक और कठिन लड़ाई का सामना करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

लेखक - प्रो. प्रदीप माथुर

पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम युद्धग्रस्त खाड़ी क्षेत्र में शत्रुता के अंत का कारण बना है और इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी कुछ राहत मिली है, जो अपनी तीखी बयानबाज़ी और जमीनी हकीकत के बीच फँस गए थे। हालांकि, ट्रंप अब एक और विवादास्पद संघर्ष में उलझ गए हैं, जिसके परिणाम उनके लिए समान रूप से, बल्कि उससे भी अधिक, गंभीर साबित हो सकते हैं। यह नया संघर्ष प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर है—एक ऐसा क्षेत्र जहां अमेरिका में फस्ट अमेंडमेंट के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित है और पत्रकारों को विशेष सुरक्षा प्राप्त है। एक मामला पहले से ही अदालत में है, जिसमें ट्रंप प्रशासन ने द वाशिंगटन पोस्ट की एक पत्रकार के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने की कोशिश की थी। इसी बीच इस सप्ताह व्हाइट हाउस और मीडिया के बीच तनाव और बढ़ गया, जब ट्रंप ने ईरान में एक उच्च जोखिम वाले सैन्य बचाव अभियान से जुड़ी कथित जानकारी के लीक होने पर एक पत्रकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। इसके परिणामस्वरूप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े संगठन और पत्रकार समूह ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाज़ा खटखटा रहे हैं। अमेरिका में ये संगठन काफी प्रभावशाली हैं और इन्हें सरकारी दबाव या धनबल से आसानी से नहीं दबाया जा सकता। 6 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन उस लीक के स्रोत की सक्रिय जांच कर रहा है, जिसमें 3 अप्रैल को ईरान के ऊपर एक एफ-15 स्ट्राइक ईगल के मार गिराए जाने के बाद लापता हुए दूसरे अमेरिकी एयरमैन की जानकारी शामिल थी। उन्होंने चेतावनी दी कि संबंधित मीडिया संस्थान को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर अपने स्रोत का खुलासा करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। ट्रंप के अनुसार, इस लीक ने बचाव अभियान को गंभीर खतरे में डाल दिया, क्योंकि इससे ईरानी अधिकारियों को जीवित बचे पायलट की मौजूदगी का पता चल गया। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह जानकारी सार्वजनिक हुई, "पूरा ईरान जान गया," जिससे अभियान जटिल हो गया और जोखिम बढ़ गया। इन चुनौतियों के बावजूद, अमेरिकी बलों ने अलग-अलग अभियानों में दोनों एयरमैन को सफलतापूर्वक बचा लिया। ट्रंप ने इस मिशन को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि दुश्मन क्षेत्र के भीतर से दोनों पायलटों को बिना पूर्व सार्वजनिक पुष्टि के सुरक्षित निकाला गया, ताकि अभियान को खतरे में न डाला जाए। हालांकि, राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों ने प्रेस स्वतंत्रता के समर्थकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। सेठ स्टर्न ने इसका विरोध करते हुए कहा कि लीक जानकारी प्रकाशित करना फस्ट अमेंडमेंट के तहत संरक्षित है। उनके अनुसार संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि मीडिया की। यह प्रकरण अमेरिकी लोकतंत्र के एक पुराने द्वंद्व को उजागर करता है—राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के बीच संतुलन। इतिहास में सरकारें आमतौर पर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रही हैं, लेकिन पत्रकारों को सीधे निशाना बनाना अधिक विवादास्पद कदम माना जाता है। इस बीच, एक अन्य मामले में अमेरिकी संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश विलियम बी. पोर्टर ने न्याय विभाग को हन्ना नैटनसन के जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डेटा की जांच करने से रोक दिया है। यह मामला प्रेस स्वतंत्रता और सरकारी अतिक्रमण के बीच चल रही कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह निर्णय 14 जनवरी 2026 को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा नैटैनसन के घर पर की गई तलाशी के बाद आया, जिसमें छह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए थे। हालांकि, स्पष्ट किया गया कि नैटैनसन स्वयं जांच का लक्ष्य नहीं हैं। 24 फरवरी के आदेश में न्यायाधीश पोर्टर ने कहा कि जब्त सामग्री की समीक्षा न्यायालय करेगा, न कि न्याय विभाग। उन्होंने सरकार की दलील की तीखी आलोचना करते हुए इसे "मुर्गीखाने की रखवाली लोमड़ी को सौंपने" जैसा बताया और न्यायिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया।

क्रिकेट की बड़ी प्रशंसक थी आशा भोसले, ब्रेट ली ने साथ गया था ये हिट सांग

मुंबई (एजेंसी)। रविवार को जब यह खबर आई कि दिग्गज भारतीय गायिका आशा भोसले का निधन हो गया है, तो दुनिया भर के संगीत प्रेमी शोक में चले गए। अपनी सदाबहार और बहुमुखी आवाज से कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करने वाली इस महान गायिका का 92 वर्ष की

आयु में निधन हो गया। संगीत में अपने विशाल योगदान के अलावा भोसले क्रिकेट की भी बहुत बड़ी प्रशंसक थीं। इस खेल के प्रति उनके जुनून ने एक बार उन्हें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने उनके निधन की खबर की पुष्टि करते हुए कहा, वह अब हमारे बीच नहीं रहीं। उनका अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे मुंबई के शिवाजी पार्क में किया जाएगा। इस महान गायिका को शनिवार, 11 अप्रैल को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आशा भोसले ने 2007 में यू आर द वन फॉर मी गाने से संगीत और क्रिकेट दोनों के प्रशंसकों का दिल जीता था। इस गाने में ब्रेट ली भी नजर आए थे। यह गाना जबरदस्त हिट हुआ था और प्रशंसकों को इसकी धुन पर थिरकने और ली तथा भोसले, दोनों की प्रतिभा से चकित होने पर मजबूर कर दिया। अपनी आत्मकथा माई लाइफ में, ब्रेट ली ने भोसले के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि इस म्यूजिक वीडियो की शूटिंग तब हुई थी, जब वे 2006 में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत आए हुए थे। इस गाने में ब्रेट ने हिंदी की कुछ पंक्तियां भी गाई थीं, जैसे हां, मैं तुम्हारा हूं, तुम्हारा ही रहूंगा।

सैंटोस की जीत में पूरे 90 मिनट तक खेले नेमार

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। नेमार पूरे 90 मिनट खेले, जिससे सैंटोस ने ब्राज़ील के सीरी ए में एटलेटिको मिनेरो पर 1-0 से घरेलू जीत हासिल की। इस साल संभावित 11 में से सिर्फ पांचवीं लीग शुरुआत करते हुए नेमार मेहनती थे, लेकिन साफ तौर पर अपने बेस्ट से नीचे थे, जिससे सैंटोस ने दूसरे हाफ में मोइसेस के गोल से कैंपेन की अपनी तीसरी जीत हासिल की। सैंटोस के मैनेजर कुका ने नेमार के परफॉर्मेंस की तारीफ की और भविष्यवाणी की कि 34 साल का यह खिलाड़ी आने वाले हफ़्तों में ब्राजील की 2026 फीफा वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने के लिए और बेहतर होता जाएगा।
मैच के बाद कुका ने कहा, नेमार गेम दर गेम बेहतर हो रहा है, उसे मेहनत करते रहना होगा।

आईपीएल में ऐसा खेल रहे टी-20 वर्ल्ड चैंपियंस

सैमसन ने शतक लगाया

चक्रवर्ती-बुमराह को विकेट नहीं मिल रहे

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में 19वें सीजन के 18 मैच खत्म हो चुके हैं। भारत को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले 15 प्लेयर्स अलग-अलग टीमों में खेल रहे हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन ने शनिवार को ही शतक लगा दिया। उनके साथी अभिषेक शर्मा ने भी 74 रन की पारी खेली। हालांकि, वर्ल्ड कप के 2 टॉप विकेट टेकर वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह आईपीएल में विकेट के लिए तरस जा रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल का प्रदर्शन भी बहुत फीका चल रहा है। वर्ल्ड कप में खराब स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

रिंकू, हार्दिक और अर्शदीप फ्लॉप

ओपनर्स अभिषेक-सैमसन चमके

आईपीएल के 18 मैचों में 10 टीमों से 22 प्लेयर्स ने ओपनिंग की। वर्ल्ड कप खेलने वाले अभिषेक शर्मा सनराइजर्स हैदराबाद और संजू सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स से खेल रहे हैं। टूर्नामेंट में अभिषेक 5वें और सैमसन तीसरे बेस्ट स्कोरर हैं। राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल टॉप-2 पोजिशन पर हैं। अभिषेक शुरुआती 3 मैचों में 55 रन ही बना सके। हालांकि, शनिवार को पंजाब के खिलाफ उन्होंने 28 गेंद पर ही 74 रन बना दिए। उन्होंने 8 छक्के और 5 चौके लगाए। वे 129 रन बनाकर टूर्नामेंट के पांचवें बेस्ट ओपनर हैं। संजू भी शुरुआती 3 मैचों में फ्लॉप रहे, उनके बैट से तो 22 रन ही निकले। शनिवार को दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 56 गेंद पर 115 रन की नॉटआउट पारी खेल दी। उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के लगाए। वे 137 रन बनाकर टूर्नामेंट के तीसरे बेस्ट ओपनर हैं।

मिडिल ऑर्डर में एक ही फिफ्टी लगी

- आईपीएल में 3 से 5 नंबर तक 39 प्लेयर्स बैटिंग कर चुके हैं। इनमें 11 ने 100 से ज्यादा रन बनाए, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन टीम का एक ही भारतीय इसमें शामिल हैं। नंबर-3 पर बैटिंग करने वाले ईशान ने एक फिफ्टी लगाकर 120 से ज्यादा रन बनाए हैं। वर्ल्ड कप में उनका साथ देने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा कुछ खास नहीं कर सके।
- ईशान फिलहाल एसआरएच की कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया था। इसके बाद 3 मैचों में वे 42 रन ही बना सके। मिडिल ऑर्डर बैटर्स में वे 9वें नंबर पर हैं।
- सूर्यकुमार टूर्नामेंट एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके हैं, उनके नाम 73 रन ही हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट जरूर 155 प्लस है, जो उनके वर्ल्ड कप स्ट्राइक रेट से 19 ज्यादा है। वे रन बनाने के मामले में 15वें नंबर पर हैं।
- तिलक का प्रदर्शन मिडिल ऑर्डर बैटर्स में सबसे खराब है। वे 130.76 के स्ट्राइक रेट से 34 रन ही बना सके। वे एक बार खाता नहीं खोल सके और 6 ही चौके लगा पाए हैं। उनके बैट से एक भी छक्का नहीं आया। वे टॉप-20 प्लेयर्स से भी बाहर हैं। एसआरएच के हेनरिक क्लासन पहले और आरआर के ध्रुव जुरेल दूसरे नंबर पर हैं।

सुंदर को एक विकेट मिला

सुंदर के नाम बॉलिंग में एक ही विकेट हैं, लेकिन गुजरात के लिए बैटिंग में वे मिडिल ऑर्डर बैटर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस पोजिशन पर एक फिफ्टी के सहारे वे 77 रन बना चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 154 का है। मिडिल ऑर्डर बैटर्स में वे 14वें नंबर पर हैं।

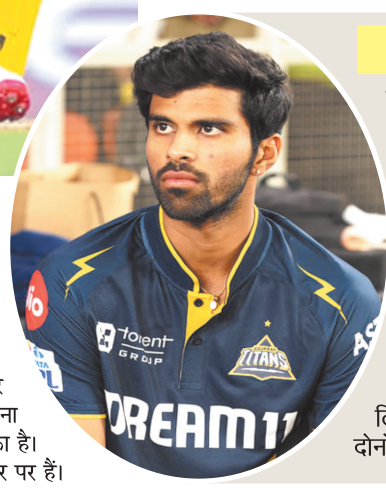

ऑलराउंडर्स कमाल नहीं दिखा सके

दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल और मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या भी आईपीएल में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। वहीं वर्ल्ड कप में 2 ही मैच खेलने वाले वॉशिंगटन सुंदर बैट से रन बना रहे हैं। अक्षर 4 मैचों में 2 ही रन बना सके। उन्होंने बॉलिंग में जरूर 8 से कम की इकोनॉमी रखी और 3 विकेट भी झटक लिए। विकेट लेने वाले स्पिनर्स में वे 9वें नंबर पर हैं।

हार्दिक तो बैट और बॉल दोनों डिपार्टमेंट में फ्लॉप चल रहे हार्दिक तो बैट और बॉल दोनों डिपार्टमेंट में फ्लॉप रहे। उनका स्ट्राइक रेट जरूर 160 के करीब है, लेकिन रन 30 भी नहीं बना सके। गेंदबाजी में 1 ही विकेट ले सके, जिसके लिए उन्होंने 11 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन खर्च कर दिए। दोनों डिपार्टमेंट में वे टॉप-30 प्लेयर्स से भी नीचे हैं।

एक ही फिनिशर रन बना पा रहा

शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने वर्ल्ड कप में फिनिशर की भूमिका निभाई थी। आईपीएल में 49 प्लेयर्स ने 6 से 8 नंबर पर बैटिंग की है। इनमें 12 प्लेयर्स ने 30 प्लस रन बनाए। इनमें 250 प्लस का स्ट्राइक रेट अकेले सरफराज खान का रहा। उनके बाद एसआरएच के अनिकेत वर्मा ने 195 प्लस के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। दुबे ने 164.81 के स्ट्राइक रेट से 89 रन बनाए। स्ट्राइक रेट के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 4 छक्के और 9 चौके लगाए। सिक्स लगाने में दुबे चौथे और चौके लगाने में पहले नंबर पर हैं। रिंकू ने 4 मैचों में 72 रन जरूर बनाए, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 135 का ही रहा। ज्यादातर मौकों पर उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की, इसके बावजूद वे कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। वे एक ही सिक्स लगा सके। स्ट्राइक रेट के मामले में रिंकू 12 प्लेयर्स में 8वें नंबर पर हैं।

पीएसएल छोड़ आईपीएल जाने पर घिरे कुसल मेंडिस, पत्रकार के सवाल पर रह गए चुप

पेशावर (एजेंसी)। पेशावर जाल्मी के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस उस समय असहज स्थिति में आ गए, जब एक पाकिस्तानी पत्रकार ने उनसे पीएसएल छोड़कर आईपीएल में जाने को लेकर सवाल पूछ लिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूछे गए इस सवाल ने माहौल को अचानक गंभीर बना दिया और मेंडिस कुछ पल के लिए पूरी तरह चुप नजर आए। पत्रकार ने मेंडिस से पूछा कि क्या उन्हें पीएसएल छोड़कर गुजरात टाइटंस के लिए खेलने का कोई पछतावा है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएसएल ने उन्हें सम्मान दिया, लेकिन उन्होंने बीच सीजन में लीग छोड़ दी। ऐसे में क्या अब उन्हें अपने फैसले पर अफसोस है?

मेंडिस का रिएक्शन - इस सवाल पर कुसल मेंडिस हैरान रह गए और कोई जवाब नहीं दे सके। वह पहले मुस्कुराए, फिर टीम के मीडिया मैनेजर की ओर देखने लगे। उनकी बॉडी लैंग्वेज से साफ था कि वह इस सवाल से असहज महसूस कर रहे थे।

मैनेजर ने किया बचाव - स्थिति को संभालने के लिए टीम के मीडिया मैनेजर को बीच में आना पड़ा। उन्होंने पत्रकार से कहा कि सवाल पीएसएल और टीम से जुड़े होने चाहिए, लेकिन पत्रकार ने इसे प्रासंगिक बताते हुए अपने सवाल पर जोर दिया। इससे माहौल और ज्यादा असहज हो गया।

आईपीएल और पीएसएल में मेंडिस का प्रदर्शन - कुसल मेंडिस ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए एक मैच खेला, जिसमें उन्होंने 10 गेंदों पर 20 रन बनाए। वहीं पीएसएल में इस सीजन उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 4 पारियों में 241 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनकी स्ट्राइक रेट 170 से ज्यादा रही है।

35 प्रतिशत से अधिक उछलेगा फिजिक्सवाला का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फिजिक्सवाला के शेयर की बात करें तो अभी 101 रुपये पर है। शेयर के लिए ब्रोकरेज ने कहा कि मौजूदा स्तरों से इसमें लगभग 35 प्रतिशत से अधिक बढ़त की संभावना है। ब्रोकरेज का अनुमान है रेवेन्यू 27 प्रतिशत और एबिटा लगभग 85 प्रतिशत रहेगा। एडुटेक कंपनी के शेयर में सुस्ती वाले माहौल के बीच ब्रोकरेज फर्म सिक्योरिटीज ने इसे खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने इस शेयर के लिए एक टारगेट प्राइस भी दिया है जो वर्तमान कीमत से 35 पर्सेंट से भी अधिक है। फिजिक्सवाला के शेयर की बात करें तो अभी 101 रुपये पर है। शेयर के लिए ब्रोकरेज ने रेटिंग दी है। इसके साथ ही 140 प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू किया है। इसका मतलब है कि मौजूदा स्तरों से इसमें लगभग 35 प्रतिशत से अधिक बढ़त की संभावना है। इस शेयर के 52 हफ्ते का हाई 162.05 रुपये और 52 हफ्ते का लो 77.75 रुपये है। ब्रोकरेज का मानना है कि इस कंपनी की ताकत उसके ओमनीचैनल मॉडल में निहित है, जिसके तहत वह सबसे पहले मुफ्त कंटेंट और जुड़ाव के जरिए बड़ा यूजर बेस तैयार करता है और फिर उन्हें पैसे देने वाले ग्राहकों में बदल देता है। इसके मुख्य ऑफर कोर्स ही हैं जबकि यह क्षेत्रीय भाषाओं और नई कैटेगरीज में भी अपना विस्तार जारी रखे हुए है। उम्मीद है कि विकास की मजबूत गति बनी रहेगी। ब्रोकरेज का अनुमान है कि रेवेन्यू और एबिटा लगभग 85 प्रतिशत रहेगा। यह भी उम्मीद है कि कंपनी एडजस्टेड लेवल पर मुनाफा कमाने लगेगी।

अपने डिजिटल बिजनेस के साथ-साथ, कंपनी ने तेजी से बढ़ती हुई ऑफलाइन मौजूदगी भी बनाई है। कंपनी अब 200 शहरों में 300 से अधिक सेंटर चलाती है, जो क्लासरूम लर्निंग चाहने वाले स्टूडेंट्स को सेवा देते हैं। काफी कैश बैलेंस होने की वजह से कंपनी अपनी बैलेंस शीट पर बिना कोई दबाव डाले अपने विस्तार के लिए अंदरूनी तौर पर फंड जुटा रही है। इलेरा कंपनी के ऑनलाइन और ऑफलाइन बिजनेस की अलग-अलग वैल्यू लगाती है और मानती है कि इसकी ग्रोथ की संभावना और बढ़ते मुनाफे को देखते हुए, मौजूदा वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक हैं। बता दें कि पिछले साल फिजिक्सवाला का आईपीओ आया था। यह 3480 करोड़ का एक बुक-बिल्डिंग इशू था, जिसमें 3100 करोड़ का नया इशू और प्रमोटर अलख पांडे और प्रतीक बूब द्वारा 380 करोड़ का 'ऑफर फॉर सेल' शामिल था। इसकी प्राइस बैंड 103 से 109 प्रति शेयर के बीच तय की गई थी।

बड़े देशों के रिजर्व से ज्यादा भारतीय लोगों के लॉकर में सोना, रिपोर्ट ने चौंकाया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का आधिकारिक सोने का रिजर्व 880.3 टन है। इस मामले में भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि, भारत के घरों और मंदिरों में निजी तौर पर जमा सोने का भंडार किसी भी एक देश के आधिकारिक सोने के भंडार से कहीं अधिक है। भारत के लगभग हर परिवार में सोना को लेकर दीवानगी है। यही वजह है कि भारत के घरों में अब दुनिया के टॉप 10 सेंट्रल बैंकों के कुल रिजर्व से भी ज्यादा सोना हो गया है। इंडस्ट्री बॉडी ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। 2024-25 और 2026 की शुरुआत में सोने की कीमतों में आई जबरदस्त तेजी के बाद भारत के घरों में रखे सोने की कीमत में भारी उछाल आया है। इसकी वजह से भारत के घरों में रखा सोना, अमेरिका, जर्मनी और चीन जैसे सबसे ज्यादा रिजर्व रखने वाले सेंट्रल बैंकों के सोने के भंडार से भी आगे निकल गया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा का हवाला देते हुए एसोचेम ने बताया कि भारत का आधिकारिक सोने का रिजर्व 880.3 टन है। इस मामले में भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि, यह अमेरिका के 8,133.5 टन सोने के रिजर्व का दसवां हिस्सा भी नहीं है लेकिन भारत के घरों और मंदिरों में निजी तौर पर जमा सोने का भंडार किसी भी एक देश के आधिकारिक सोने के भंडार से कहीं अधिक है। हालांकि, फिजिकली सोना के साथ ही अब लोग डिजिटल सोना की ओर भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। भारत के घरों में रखे सोने की कीमत अब कई ट्रिलियन डॉलर के दायरे में मानी जा रही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का अनुमान है कि भारतीय घरों और मंदिरों के पास लगभग 25,000 टन सोना है, जिसकी अनुमानित कीमत 2.4 ट्रिलियन डॉलर है। यह 2026 में भारत की अनुमानित नॉमिनल का लगभग 56 प्रतिशत है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि सोने की कीमतों में आई तेजी की वजह से जनवरी 2026 तक घरों में रखे सोने की कीमत बढ़कर 5 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो गई है। यह भारत की 125 प्रतिशत है। घरेलू बाजारों में सोने की कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में मध्यम रूप से तेज रहने की उम्मीद है क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार युद्ध का डर और वैश्विक स्तर पर मंदी का बढ़ता जोखिम सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की मांग को बढ़ा सकता है।

जमी-जमाई नौकरी छोड़ीं, घर भी लगाया दांव, अब 120 करोड़ का टर्नओवर

जुड़वां भाइयों ने किया कमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। आलोक कौशिक और अनुराग कौशिक चंडीगढ़ से हैं। जुड़वां भाइयों की इस जोड़ी ने बहुत कम समय में एक सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। विदेश में जमी-जमाई नौकरी छोड़कर उन्होंने साल 2019 में भारत में अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम 'नेचुरल्टेन' है। इसके लिए भाइयों ने अपना घर तक दांव पर लगा दिया। यह क्लीन प्रोटीन सप्लीमेंट बेचता है। जर्मनी में काम करने के दौरान उन्होंने वहां के सख्त क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को देखा। तय किया कि वे भारत में भी उसी स्तर का 'क्लीन प्रोटीन' उपलब्ध कराएंगे। आज यह स्टार्टअप 120 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक पहुंच गया है। आइए, यहां आलोक कौशिक और अनुराग कौशिक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अनुराग और आलोक कौशिक का सफर चंडीगढ़ से शुरू हुआ। लेकिन, करियर उन्हें पुणे और फिर जर्मनी ले गया। अनुराग एचसीएल (एचसीएल) में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट संभाल रहे थे। वहीं, आलोक जर्मनी की दिग्गज कंपनी ब्रक्र में काम करते थे। 2019 में जब उन्होंने भारतीय बाजार का रुख किया तो पाया कि प्रोटीन सप्लीमेंट्स में स्टैंडर्ड और ट्रांसपेरेंसी की भारी कमी है। अपने इसी विजन के साथ दोनों भाइयों ने अपनी जमी-जमाई नौकरियां छोड़ीं। फिर स्टार्टअप को

खड़ा करने के लिए अपना घर तक दांव पर लगा दिया। जुड़वां भाइयों के स्टार्टअप की सबसे बड़ी ताकत इसकी 'जर्मन क्वालिटी' और कड़े परीक्षण हैं। उनके उत्पाद कोलोन लिस्ट से प्रमाणित हैं। यह एथलीटों के लिए डोपिंग मुक्त होने की गारंटी देता है। इसके अलावा, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उनके सप्लीमेंट्स 'ग्लाइफोसेट' (एक हानिकारक कीटनाशक) से मुक्त हों। शुरुआत में उत्पादों का निर्माण जर्मनी में ही होता था। लेकिन, 2022 के बाद उन्होंने भारत में प्रमाणित थर्ड-पार्टी सुविधाओं के साथ उत्पादन शुरू किया। दिलचस्प यह है कि 120 करोड़ रुपये टर्नओवर तक पहुंचने के बावजूद आलोक और अनुराग ने कोई पेड विज्ञापन नहीं चलाए। इसके बजाय उन्होंने अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटेजी 'भरोसे' पर आधारित रखी। उन्होंने अपने उत्पाद उन फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स को दिए जो वास्तव में हेल्थ के प्रति जागरूक थे। जब इन विशेषज्ञों ने खुद उत्पाद इस्तेमाल किए और उन्हें पसंद किया तो 'वर्ड ऑफ माउथ' (मुंह जुबानी प्रचार) के जरिए ब्रांड की वैल्यू बढ़ती गई। आज कंपनी के 70 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर सीधे उनकी वेबसाइट से आते हैं। आलोक और अनुराग के स्टार्टअप की ग्रोथ जबरदस्त रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में 12 करोड़ रुपये के रेवेन्यू से शुरू होकर कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 120 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। इसमें 8 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा शामिल है। अब तक 7 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा दे चुके ये भाई वित्त वर्ष 2026-27 में 230 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का टारगेट लेकर चल रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)